E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 40 | प्रयागराज, शुक्रवार 17 अप्रैल, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

भारत को रूसी तेल पर अमेरिकी छूट नहीं मिलेगी,यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी बोले- जनरल लाइसेंस रिन्यू नहीं होगा

वॉशिंगटनडीसी। अमेरिका ने रूस और ईरान से तेल खरीद पर उनका उपयोग हो चुका है। ऐसे में आगे किसी भी देश को यह राहत

दी जा रही छूट को रोकने का फैसला किया है। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को कहा कि हम रूसी तेल पर दी गई छूट को रिन्यू नहीं करेंगे। इससे पहले मंगलवार को ही ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने ईरानी तेल पर मिलने वाली छूट पर भी रोक लगा दी थी। व्हाइट हाउस की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए बेसेंट ने कहा कि हम रूसी और ईरानी तेल पर देशों को मिल रहे जनरल लाइसेंस को रिन्यू नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि यह छूट उन तेल खेपों के लिए थी जो 11 मार्च से पहले समुद्र में थीं और नहीं मिलेगी। अमेरिका ने 5 मार्च को भारत को 30 दिन की विशेष छूट दी थी, जिसके बाद भारत यूक्रेन युद्ध के चलते लगे प्रतिबंधों के बावजूद रूस से तेल खरीद रहा था। यह छूट बाद में कुछ अन्य देशों को भी दी गई थी और 11 अप्रैल को समाप्त हो गई। मार्च में अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग की वजह से दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर 100 डॉलर के पार चली गई थीं। इसे काबू में करने के लिए ट्रम्प प्रशासन ने दूसरे देशों को भी रूस से तेल खरीदने की अस्थाई मंजूरी दे दी थी। रूस के कई ऑयल टैंकर समुद्र में फंसे हैं। यह छूट सिर्फ 11 अप्रैल तक के लिए दी गई थी। अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने तब बताया था कि इसका मकसद दुनियाभर में तेल की सप्लाई बढ़ाना है, ताकि बढ़ती कीमतों पर लगाम लग सके। अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का करीब 90फीसदी आयात करने वाले भारत ने पिछले दो महीनों में रूसी क्रूड की खरीदारी में भारी बढ़ोतरी की है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी जंग के कारण ग्लोबल मार्केट में तेल की किल्लत बढ़ गई है, जिसके चलते भारतीय रिफाइनर्स अब रूस से ज्यादा से ज्यादा तेल जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। इंटेलिजेंस फर्म केप्लर के डेटा के मुताबिक, मार्च के महीने में रूस से कच्चे तेल का आयात औसत 1.98 मिलियन यानी 19 लाख बैरल प्रति दिन रहा। यह जून 2023 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। हालांकि, अप्रैल में यह आंकड़ा गिरकर 1.57 मिलियन यानी 15.7 लाख बैरल प्रति दिन रह गया है, लेकिन जानकारों का कहना है कि यह गिरावट मांग की कमी की वजह से नहीं, बल्कि नयारा एनर्जी की रिफाइनरी में मेंटेनेंस के लिए किए गए शटडाउन के कारण आई है। अगले महीने से इसमें फिर से उछाल आने की उम्मीद है।

महिला आरक्षण पर अखिलेश बोले- ये सशक्तिकरण नहीं, तुष्टिकरण हैं,संसद सत्र से पहले विपक्ष का हल्लाबोल

नयी दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े 3 बिल पेश किए

गए। इसे लेकर सपा सांसदों और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बीच तीखी बहस हुई। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने कहा- सरकार संविधान के विरोध में काम कर रही है। जब तक मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया जाएगा। तब इसका मतलब नहीं है। इस पर शाह ने जवाब दिया- मुस्लिमों को धर्म के आधार पर आरक्षण गैर-संवैधानिक है, इसका सवाल ही पैदा नहीं होता। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा- पूरा देश आधी आबादी के लिए आरक्षण चाहता है। मैं जानना चाहता हूं कि मुस्लिम महिलाओं के लिए क्या। ये शक्तिकरण नहीं है, तुष्टिकरण के लिए है। इस पर शाह ने जवाब दिया कि सपा पूरी टिकटें मुस्लिम महिलाओं को दे दे, हमें कहां आपत्ति है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा-'भाजपा आरक्षण के नाम पर समाज में जहर घोलना चाहती है। वह लोकतंत्र को खत्म कर तानाशाही थोपना चाहती है। हम इसका विरोध करते हैं, क्योंकि परिसीमन के नाम पर जिस तरह जहर घोला गया है और जिस समय इसे लाया गया है, वह सवाल खड़े करता है।' दरअसल, संशोधन बिल में महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 2029 से 33इ आरक्षण देने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही लोकसभा सांसदों की संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने की बात कही गई है। राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 तक सीटें होंगी। सीटों की सटीक संख्या तय करने के लिए परिसीमन किया जाएगा। 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के सवाल पर गृहमंत्री अमित शाह ने कहा- जनगणना का काम शुरू हो चुका है। सरकार ने जातीय जनगणना करने का निर्णय ले चुकी है। अभी घरों की गिनती हो रही है। घरों की जाति नहीं होती। सपा की चले तो घरों की भी जाति बता दे। जब नागरिकों की गणना होगी तो जाति शामिल होगी। मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण गैर संवैधानिक है। हमारा संविधान किसी भी हालत में धर्म के आधार पर आरक्षण की मंजूरी नहीं दे सकता। धर्म के आधार पर आरक्षण देना गैर-संवैधानिक है।

चीन ने बिना हथियार बेचे ही ईरान को कैसे मजबूत बनाया,मिसाइल बनाने की टेक्निक दी

बीजिंग/तेहरान। पिछले करीब

दो दशकों से चीन और ईरान के रिश्तों में संतुलन बना हुआ था। चीन, ईरान को सीधे हथियार बेचने की बजाय परोक्ष (इनडायरेक्ट) तरीके से मदद करता रहा। जंग शुरू होने के बाद अमेरिकी अधिकारियों का ध्यान फिर से इस पर गया है। खुफिया एजेंसियां जांच कर रही हैं कि क्या चीन ने ईरान को कंधे पर रखकर दागी जाने वाले मिसाइल भेजी हैं। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक अभी तक सबूत पक्के नहीं हैं। अगर यह सही निकला, तो मिडिल ईस्ट में चीन की रणनीति में बड़ा बदलाव माना जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है कि अगर यह सच साबित होता है तो चीन से आने वाले सामान पर 50इ एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया जाएगा। चीन ने आरोप को झूठ बताया और कहा कि टैरिफ लगाए गए तो वह जवाबी कार्रवाई करेगा। चीन ने 1980 के दशक में ईरान को बड़े पैमाने पर हथियार बेचे थे, लेकिन पिछले 10 साल में यह लगभग बंद हो गया। इसकी सबसे बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय दबाव है। 2006 के बाद संयुक्त राष्ट्र ने ईरान के परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर सख्त प्रतिबंध लगाए। इनके तहत किसी भी देश के लिए ईरान को सीधे हथियार देना मुश्किल हो गया। अमेरिका ने भी आर्थिक और व्यापारिक पाबंदियां लगाईं, जिससे ईरान को सैन्य मदद देने वाले देशों को नुकसान हो सकता है। इसी कारण चीन ने अपनी रणनीति बदल दी। उसने सीधे हथियार देने की बजाय 'ड्यूल-यूज' यानी ऐसी तकनीक और सामान देना शुरू किया, जिनका इस्तेमाल सिविल और सैन्य दोनों कामों में हो सकता है। जैसे कि- ऐसे केमिकल जो सामान्य उद्योग में भी काम आते हैं, लेकिन उनसे मिसाइल का ईंधन भी बनाया जा सकता है.मशीनें और पार्ट्स जो फैक्ट्री में भी इस्तेमाल होते हैं और हथियार बनाने में भी ड्रोन के पार्ट्स जैसे सेंसर, कनेक्टर, इंजन के हिस्से इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जो नेविगेशन या कम्युनिकेशन के काम आते हैं।

अमेरिका ने ईरान से निकल रहे 10 जहाजों को लौटाया,3 दिन में एक ने भी होर्मुज क्रॉस नहीं किया

तेहरान। अमेरिकी सेना ने कहा है कि उसने ईरान के बंदरगाहों से निकलने की कोशिश कर रहे 10 खत्म हो रहे सीजफायर से पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों दी है। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स-अमेरिका ने दावा किया कि होर्मुज स्ट्रेट में नाकेबंदी के

जहाजों को वापस लौटा दिया। अमेरिकी सेना ने ईरान के समुद्री इलाके में नाकाबंदी कर रखी है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, सोमवार से शुरू हुई इस नाकाबंदी के बाद अब तक कोई भी जहाज इसे पार नहीं कर पाया है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने नाकाबंदी नहीं हटाई, तो वह खाड़ी इलाके में व्यापार को बाधित कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि आज इजराइल और लेबनान के नेता जंग खत्म करने पर सीधे बातचीत करेंगे। यह पिछले 34 साल में दोनों देशों के बीच पहली सीधी बातचीत होगी। इजराइल और लेबनान के नेता आखिरी बार 1991 में मैड्रिड कॉन्फ्रेंस में आमने-सामने बैठे थे। अमेरिका और ईरान 21 अप्रैल को पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक होगी। मुनीर पहले ही ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं और वे अमेरिकी संदेश लेकर गए हैं। पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डील के लिए सीजफायर को बढ़ाया जा सकता है, हालांकि अमेरिका ने अभी औपचारिक सहमति नहीं बाद 48 घंटे में कोई जहाज ईरानी पोर्ट नहीं पहुंचा, जबकि 9 जहाज लौटा दिए गए। ईरान ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिकी नाकेबंदी जारी रही तो वह रेड सी, ओमान सागर और पर्शियन गल्फ में समुद्री व्यापार रोक देगा। लेबनान में इजराइली हमलों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,167 हो गई, जबकि 7,000 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु मुद्दे पर बातचीत में प्रगति के संकेत मिले हैं। 21 अप्रैल से पहले समझौते की कोशिश जारी है और पाकिस्तानी डेलिगेशन तेहरान पहुंचा है। इजराइल ने दावा किया कि उसने 24 घंटे में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के 200 से ज्यादा ठिकानों पर हमला किया है।

कांग्रेस बोली-लोकसभा में 850 सीटें हों ये कैसे तय किया,सपा सुप्रीमो बोले- मुस्लिम महिलाओं को भी आरक्षण मिले,3 बिलों पर आज वोटिंग होगी

नयी दिल्ली। महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े 3 बिलों पर लोकसभा में चर्चा जारी है। विपक्ष ने इन बिलों का विरोध किया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि सरकार 90फीसदी पूरी टिकटें मुस्लिम महिलाओं को दे दे, हमें कहां आपत्ति है। बिलों पर चर्चा के लिए 16 और 17 अप्रैल को 15 घंटे का समय तय किया गया है। कल शाम 4 बजे वोटिंग की जाएगी। संशोधन बिल में

बातें दोहरा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि लोकसभा में 850 सीटें हों सरकार ने ये कैसे तय किया। सपा सांसद अखिलेश यादव ने मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की बात कही। इस पर अमित शाह ने जवाब दिया कि यह असंवैधानिक है। समाजवादी पार्टी लोकसभा सांसदों की संख्या 850 करने का प्रस्ताव है। मौजूदा संख्या 543 है। राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 तक सीटें होंगी। सीटों की सटीक संख्या तय करने के लिए परिसीमन भी किया जाएगा। 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

जेडी वेंस का वेलकम, ईरान दौरा,पाकिस्तानी फील्ड मार्शल की अमेरिका से बढ़ती दोस्ती

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच इस्लामाबाद में पिछले हफ्ते शांति वार्ता नाकाम होने के बाद एक बार फिर दोनों को बातचीत पर लाने की कोशिशें प्रमुख हैं, लेकिन हालिया घटनाक्रम बताते हैं कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर ही देश में सारी दिशा तय कर रहे हैं। इसके सबसे अहम सबूत तब सामने

तेज हो गई हैं। इस कहानी के पीछे पाकिस्तान है, जो दो पुराने दुश्मनों के बीच एक अहम मध्यस्थ बन गया है। यह सफलता अचानक नहीं मिली है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, यह पाकिस्तान के सेना प्रमुख असीम मुनीर थे, जिन्होंने वॉशिंगटन और तेहरान दोनों को पीछे हटने के लिए राजी करने में अहम भूमिका निभाई। हालांकि, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार के संवैधानिक आया जब जेडी वेंस ईरान के साथ बातचीत के लिए इस्लामाबाद पहुंचे। इस दौरान असीम मुनीर पूरी तरह फ्रंट पर नजर आए थे। हालांकि, इस्लामाबाद वार्ता फेल हो गई। इसके बाद अब असीम मुनीर बातचीत को फिर से शुरू करने के लिए तेहरान के दौरे पर पहुंचे हैं। वे ईरान में अहम फैसला लेने वाले अधिकारियों से मुलाकात करने पहुंचे हैं। उनके साथ गृह मंत्री मोहसिन नकवी भी हैं। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक वीडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'फील्ड मार्शल मुनीर का ईरान में स्वागत करके मुझे बहुत खुशी हुई। पाकिस्तान ने बातचीत के लिए जिस तरह से मेहमाननवाजी की, उसके लिए मैंने उनका शुक्रिया अदा किया और इस बात पर जोर दिया कि यह हमारे गहरे और मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को दिखाता है। इस क्षेत्र में शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने का हमारा संकल्प मजबूत है और हम दोनों का साझा है।' इस समय एक बात साफ है कि पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल असीम मुनीर ही कर रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में कहा कि असल में मुनीर ही पाकिस्तान के नेता हैं, जिनके पास फैसले लेने का आधिकार है। फवाद चौधरी, पूर्व पाकिस्तानी मंत्री- 'इस बारे में कोई दो राय नहीं है कि इस समय पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल असीम मुनीर कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के असल नेता हैं। फिलहाल फैसले लेने का आधिकार फील्ड मार्शल या सीडीएफ के पास है।'

तुर्किये में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की जिसमे 9 की मौत, हमलावर ने खुद को भी गोली मारी

2 दिन में दूसरी स्कूल शूटिंग

अंकारा। तुर्किये में लगातार दूसरे दिन स्कूल में गोलीबारी का मामला सामने आया है। बुधवार को एक मिडिल स्कूल में 13 साल के छात्र ने गोलीबारी की। इसमें एक शिक्षक समेत 9 छात्रों की मौत हुई, जबकि लगभग 13 लोग घायल हुए। हमलावर ने बाद में खुद को भी गोली मार ली। 6 घायलों की हालत गंभीर है। गवर्नर मुकेर्रम उनलुएर ने बताया कि हमलावर आठवीं कक्षा का छात्र था। वह अपने बैग में पांच हथियार और सात मैगजीन लेकर स्कूल पहुंचा था। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ये हथियार उसके पूर्व पुलिस अधिकारी पिता के हो सकते हैं। घटना के बाद इलाके में पुलिस तैनात किया गया और जांच शुरू की गई। गवर्नर के मुताबिक, हमलावर स्कूल के अंदर दो कक्षाओं में घुसा, जहां पांचवीं कक्षा के छात्र पढ़ रहे थे। उसने वहां अंधाधुंध फायरिंग की। घायलों में चार की हालत गंभीर बताई गई है और उनका ऑपरेशन चल रहा है। इसी बीच, सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में देखा गया कि गोलीबारी के दौरान कई छात्र स्कूल की दूसरी मंजिल से कूदकर जान बचाने की

कोशिश कर रहे थे। सीसीटीवी फुटेज में हमलावर को स्कूल के गलियारे में छात्रों पर गोली चलाते हुए भी देखा गया। हालांकि इन फुटेज की पुष्टि नहीं हुई है। घटना के बाद न्याय मंत्री अकीन गुरलेक ने कहा कि इस मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इससे एक दिन पहले, मंगलवार को तुर्किये के सनलिउरफा प्रांत में एक स्कूल में गोलीबारी हुई थी। एक 18 साल के युवक ने अपने पुराने स्कूल में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग की। इस हमले में 16 लोग घायल हुए, जिनमें छात्र और शिक्षक शामिल थे। आरोपी ने बाद में खुद को भी गोली मार ली थी। हमला एक वोकेशनल हाई स्कूल में हुआ। आरोपी पूर्व छात्र था और शॉटगन लेकर स्कूल पहुंचा। उसने बिना किसी को निशाना बनाए फायरिंग की और फिर स्कूल के अंदर छिप गया। गवर्नर हसन सिल्डाक के मुताबिक, हमले में 10 छात्र, चार शिक्षक, एक कैंटीन कर्मचारी और एक पुलिस अधिकारी घायल हुए थे। इसी बीच, पुलिस ने पूरे इलाके को घेर लिया और स्कूल में विशेष ऑपरेशन शुरू किया। आरोपी ने सरेंडर करने से इनकार कर दिया। गवर्नर ने बताया, 'आरोपी को ऑपरेशन के दौरान स्कूल के अंदर घेर लिया गया था। इसी दौरान उसने खुद को गोली मार ली।' मामले की जांच जारी है। तुर्किये में स्कूल में गोलीबारी की घटनाएं बेहद कम होती हैं, लेकिन लगातार दो दिनों में हुई इन घटनाओं ने सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

होर्मुज के बाद अब ट्रम्प की मलक्का स्ट्रेट पर नजर,इंडोनेशिया से रक्षा करार किया

अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशियाई इलाके में जाने की इजाजत

वॉशिंगटनडीसी। हॉर्मुज स्ट्रेट में इस समय हालात काफी तनाव भरे हैं। अमेरिका वहां ईरान से जुड़े जहाजों की गतिविधियों पर सख्ती कर रहा है। इसी बीच अमेरिका और इंडोनेशिया के बीच 13 अप्रैल को एक नया रक्षा समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत अब अमेरिकी सैन्य विमानों को इंडोनेशिया के हवाई क्षेत्र में ज्यादा आसानी से आने-जाने की इजाजत मिल गई है। इसे आधिकारिक तौर पर दोनों देशों के बीच सहयोग बढ़ाने का कदम बताया जा रहा है, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह डील ऐसे समय हुई है जब यूएस ने ईरान पर दबाव बढ़ाने के लिए होर्मुज में नाकाबंदी शुरू कर दी है। इसके बाद तेल सप्लाई लगभग ठहर गई और कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गई हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि अमेरिका ने मलक्का स्ट्रेट पर नजर रखने के लिए यह करार किया है। मलक्का स्ट्रेट दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यह वही रास्ता है जो हिंद महासागर को पूर्वी एशिया से जोड़ता है और दुनिया के सबसे व्यस्त समुद्री रास्तों में से एक है। यहां से करीब 40फीसदी वैश्विक व्यापार और

लगभग 30फीसदी तेल सप्लाई गुजरती है।इसकी भौगोलिक स्थिति इसे खास बनाती है। फिलिप चैनल पर इसकी चौड़ाई 3 किलोमीटर है, जो इसे बड़ा बॉटलनेक बनाती है। यह होर्मुज से करीब नौ गुना ज्यादा संकरा है। मलक्का स्ट्रेट पर इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर का कंट्रोल है। इस रास्ते से दुनिया का बहुत बड़ा व्यापार गुजरता है। यही वजह है कि इस इलाके में कोई भी हलचल सीधे तौर पर वैश्विक व्यापार को प्रभावित कर सकती है। यूएस -इंडोनेशिया डील के बाद एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका इंडो-पैसिफिक में बड़े समुद्री रास्तों को सुरक्षित करने की रणनीति पर काम कर रहा है। अमेरिकी एक्सपर्ट्स और पूर्व सैनिकों ने कहा है कि दुनिया के चोकपॉइंट्स पर यूएस अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। अगर हॉर्मुज को तेल की सप्लाई का मुख्य रास्ता माना जाता है, तो मलक्का को पूरी दुनिया के ट्रेड की लाइफलाइन कहा जा सकता है। यहां से तेल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनें और बाकी सामान भी बड़ी मात्रा में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचते हैं।चीन के लिए तो मलक्का को सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी माना जाता है। चीन के करीब 80फीसदी तेल आयात इसी रास्ते से आते हैं। ये इंडस्ट्रियल इकॉनमी और एक्सपोर्ट सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है। इसी वजह से चीन लंबे समय से इस पर अपनी निर्भरता को एक कमजोरी मानता है। यही कारण है कि पूर्व चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ ने इसे 'मलक्का डिलेमा' कहा था। हाल में चीन ने इलाके के आसपास समुद्री मैपिंग और मॉनिटरिंग गतिविधियां बढ़ाई हैं। मलक्का स्ट्रेट भारत के लिए भी उतना ही अहम है। देश का करीब 55फीसदी व्यापार इसी रास्ते और सिंगापुर क्षेत्र से होकर गुजरता है। भारत की भौगोलिक स्थिति उसे इस इलाके में रणनीतिक बढ़त देती है। अंडमान और निकोबार आइलैंड्स इस स्ट्रेट के पश्चिमी मुहाने के पास हैं, जहां से पोर्ट ब्लेयर से 24 घंटे में पहुंचा जा सकता है। भारत का आईएनएस बाज एयर स्टेशन, जो कैंपबेल बे में है, इस इलाके की निगरानी में अहम भूमिका निभाता है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह भारत को समुद्री ट्रैफिक पर नजर रखने की ताकत देता है।

साध्वी प्राची बोलीं- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी आतंकियों की नर्सरी, हॉस्टल से हथियार मिलना सबूत हैं

अलीगढ़। फायर ब्रांड हिंदूवादी नेता साध्वी प्राची ने बुधवार को कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी आतंकवादियों की नर्सरी है। यह वही एएमयू है, जिसने हिंदुस्तान का विभाजन किया। आज भी यहां का

माहौल वैसा ही है। साध्वी प्राची ने कहा कि यहां के बॉयज हॉस्टल पढ़ाई के लिए नहीं, बल्कि अवैध हथियारों और फर्जी मार्कशीट के भंडारण केंद्र बन गए हैं। छात्र शहजाद के हॉस्टल से हथियार मिलना आंतकवादी होने की बात को पुख्ता करते हैं। सरकार से मांग है कि यूनिवर्सिटी में चल रहे अवैध धंधों की हाईलेवल जांच हो और जो भी दोषी पाया जाए, उसे कड़ी सजा दी जाए। साध्वी प्राची बुधवार को अलीगढ़ में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंची थीं। इसी दौरान उन्होंने मीडियाकर्मियों से बातचीत की।

सिरमौर बुद्ध विहार सेवा संस्थान गंगौली (सोइया) की मासिक बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज/अमेठी। रविवार को रामकिशोर, बाबूलाल, नजरू बौद्ध हीरालाल, रामदेव अमीन, छोटे लाल

सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोइया अमेठी की मासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में एक मई को बुद्ध जयंती मनाने के लिए आवश्यक विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों व सदस्यों में संस्थान के प्रबंधक सुखदेव उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र, सचिव रामफल फौजी, कोषाध्यक्ष रामटहल उर्फ भंते शीलरतन, रामसमुझ बौद्ध, रामसुख व के पी सविता बौद्ध आदि रहे आज की बैठक में अध्यक्ष व एक दूसरे सदस्य अनुपस्थित रहे। एक सदस्य ने बुद्ध जयंती के सहयोगार्थ एक हजार रुपये संस्थान को प्रदान किया। तीन लोगों ने एक-एक टीन डालडा घी देने की घोषणा की। कुछ ने आटा कुछ ने कुछ देने का वचन दिया। सभी सहयोग 22 तारीख तक दे देने की बात कही गई है।

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। कि मेरा नाम धीरज कुमार पुत्र सुख लाल यादव निवासी बजाही फूलपुर सिकन्दरा प्रयागराज है मेरा उक्त नाम एवं पिता का नाम मेरे समस्त शैक्षणिक राजकीय एवं अन्य अभिलेखो में सही रूप से दर्ज है। परंतु त्रुटिवश मेरे ड्राइविंग लाइलेन्स संख्या UP-70-20180013724 में मेरे पिता का नाम गलत पड़ा गया है। जो कि गलत है। सही पिता का नाम सुख लाल यादव है यह सूचना आम जनहित एवं अभिलेखो में शुद्धता हेतू प्रकाशित कराई जा रही है। भविष्य में किसी भी प्रकार की आपत्ति होने पर यह सूचना प्रमाण के रूप में मान्य होगी।

सम्मान से सशक्त हुआ सैन समाज प्रतिभाओं का हुआ अभिनंदन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) कोटपूतली। संत शिरोमणि सैन जी महाराज की 726वी जयंती बडे ही हर्षोल्लाश ओर धूमधाम के साथ सैन मंन्दिर पूतली मे बारबर युनियन पत्रकार मुकेश सैन,दैनिक हर्ष उजाला पत्रकार प्रहलाद सैन पावटा जबकी विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय हरसोरा धाम प्रधान संजय सैन बानसूर, सैन मंदिर रजि. की आवश्यकता है। भारत की इस पावन धरती पर समय-समय पर ऐसे संतों ने जन्म लिया है। जिन्होने समाज को नई दिशा दिखाई भक्ति मार्ग के शिखर पुरुष श्री सैन जी

एवं राष्ट्रीय संगठन श्री नारायणी सेना के संयुक्त मे श्रद्धापूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम मे 108 छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। 251 कलश की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई कार्यक्रम की अध्यक्षता भामाशाह राधेश्याम सैन फतेहपुरा कला ने की श्री नारायणी सेना प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश सैन जानकारी देते हु? बताया की आयोजन स्थल को भव्य तरिके से सजाया गया। जहां सांस्कृतिक ओर सामाजिक एकता की झलक साफ देखने को मिली। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौशाला अध्यक्ष राजेश सवाईका, नवयुवक मंडल आग्रवाल समाज अध्यक्ष रजत जिन्दल, भाजपा प्रदेश उपाअध्यक्ष ओबीसी मोर्चा एवं श्री नारायणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सैन गहलोत, भाजपा नेता शंकरलाल कसाना, क्रय-विक्रय सहकारी समिति चेयरमैन हंसराज कसाना, एड. शिव कुमार शर्मा,नेशन ब्योरो पत्रकार शिशराम खासपूरिया,शिरोमणी पथ दर्शन समिति प्रधान वेद प्रकाश सैन,परगना प्रधान रामकिशन सैन कांसली रहे। कलश यात्रा के दौरान भव्य शोभा यात्रा का मुख्य मार्ग व चौराहे पर रमेश सैनी द्वारा विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। एवं भजन मंडली द्वारा मनमोहक भजनो की प्रस्तुतियां दी। समाज के विशेष छात्र छात्राओं को तिरंदाजी प्रतियोगीता मे अवल अपूर्वा सैन, नन्दिनी सैन, वालीबॉल प्रतियोगिता छात्र खुशी सैन खडब, बालिका स्वाती सैन ने बीडीएस करने पर सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया। पुरे आयोजन मे अनुशासन, उत्साह ओर सामाजिक समरसता का माहौल देखने को मिला जिससे यह जयंती समारोह यादगार बन गया। भोजन प्रसादी वितरन की गई। सुनील गहलोत ने कहा की शिक्षा ही समाज के वस्तविक ताकत है। सैन समाज की एकता, शिक्षा ओर सामाजिक योगदान की सराहना करते हुये कहा की समाज का विकास ही क्षेत्र ओर देश के विकास की नींव है। सैन जी महाराज के विचारों को जीवन में अपनाने महाराज उन्हीं महान संतों में से एक थे। जिनका जीवन मानव सेवा ही माधव सेवा का जीवंत उदाहरण है। हम सब गुरु महाराज के बताये हुये सदमार्ग पर चलने और समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। समारोह मे आने वाले सभी अतिथि व मन्दिर भूमि दान करने वाले भामाशाह परिवार पूतली बैध श्यामलाल सैन,रणसिंह सैन,उदमीराम सैन,सतबीर सैन,गिरिराज सैन का माला व साफा पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। कार्यक्रम के पश्चात सैन जयंती प्रधान नानकचंद सैन ने आने वाले सभी आंगन्तुओ का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं मंच संचालन संजीव सैन अध्यापक मल्लावाला ने किया। इस अवसर परजीताराम, लक्ष्मीनारायण, नेतराम मालाराम, मुरारीलाल, भीमसैन, विक्रम, लक्ष्मीनारायण, संजय, मुंशीराम, रामकुवार, राजेश, पवन, मदनलाल, लालचन्द, अजय जागीदार, दुलीचन्द, सत्यनारायण, ज्ञानचन्द, कमल, रवि, सिताराम, राकेश व अन्य समाज बन्धु उपस्थित रहे।

मेजा ऊर्जा निगम में राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मेजा तहसील के ध कार्यक्रम में मुख्य रूप से मेजा ऊर्जा निगम के मुख्य महाप्रबंधक अग्निशमन शाखा प्रभारी ने बताया कि 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक

कोहडार में स्थित मेजा ऊर्जा निगम में दिनांक 14 अप्रैल 2026 को केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अग्निशमन शाखा के द्वारा राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस मनाया गया ध कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मेजा ऊर्जा निगम के महाप्रबंधक (प्रचालन व अनुरक्षण), नरेंद्र नाथ सिन्हा के द्वारा अग्निशमन सेवा के शहीदों को श्रद्धांजलि देकर किया गया (इंजीनियरिंग), पंकज कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक (अनुरक्षण), अशोक कुमार सामल के अलावा सीआईएसएफ के अधिकारी और जवान सम्मिलित हुए। इस अवसर पर अग्नि सुरक्षा से संबंधित पत्रिका का भी अनावरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन सीआईएसएफ के अग्निशमन शाखा प्रभारी निरीक्षक मदन कुमार मुंडा के द्वारा किया गया। सप्ताह भर चलने वाले अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान मेजा ऊर्जा निगम के कर्मचारियों, संविदा कर्मियों, स्कूली बच्चों के अलावा महिलाओं के लिए भी अग्नि सुरक्षा से संबंधित कार्यक्रम और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। धन्यवाद ज्ञापन सीआईएसएफ के इकाई प्रभारी राम अनुग्रह शुक्ला के द्वारा किया गया।

नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग सेंटर में धूमधाम से मनाया गया स्थापना दिवस

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। नैनी इंडस्ट्रियल उत्साह और खुशी से भर दिया। कार्यक्रम के दौरान स्टाम्प डिस्प्ले को बढ़ावा देते हुए पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया

ट्रेनिंग सेंटर में आज स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसमें संस्थान के पदाधिकारियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। इसके पश्चात केक कटिंग सेरेमनी आयोजित की गई, जिसने पूरे माहौल को बोर्ड का उद्‌घाटन भी किया गया, जो संस्थान की उपलब्धियों और गतिविधियों को दर्शाता है। इस अवसर पर संस्थान के पूर्व छात्रों (एलुमनी) ने अपनी-अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं और अपने अनुभवों के माध्यम से वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरित किया। इसके साथ ही पर्यावरण संरक्षण के संदेश गया। कार्यक्रम में नारी सम्मान के तहत महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिससे समाज में महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया गया। अंत में भव्य पार्टी का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्थापना दिवस को यादगार बनाया।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय मैहर का 10 वीं 12 वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रैंक के साथ जिला मैहर में रहा सराहनीय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। मां शारदे की धार्मिक अशोक अवधिया अध्यक्ष, अंबुज द्विवेदी व्यवस्थापक, बलराम

नगरी जिला मैहर में स्थित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल अपने आप में शिक्षा संस्कार के रूप में अपनी अलग पहचान बनाए हुए है उसी के अनुरूप माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश भोपाल के द्वारा 10वीं 12 वीं के बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट खुला तो सरस्वती स्कूल के छात्र छात्राओं का परिणाम दोनों कक्षाओं में उत्कृष्ट रैंक के रूप में नामांकित रहा। इस अवसर पर टॉप प्रतिशत रैंक में स्थान अर्जित करने वाले छात्र छात्राओं को मनचासिन समिति पदाधिकारियों अतिथियों में सर्व श्री डाक्टर गंगवानी मार्गदर्शक, विनय शंकर गोयल कोषाध्यक्ष, प्रभारी प्राचार्य श्री योगेन्द्र तिवारी,आनंद प्रकाश तिवारी ,प्रहलाद द्विवेदी,आदित्य श्रीवास्तव,राजकुमार सोनी,मनोज उर्मलिया,अजय कुमार नामदेव, संगीत आचार्य रोहित तिवारी सफल मंच संचालन कर्ता शुभांजलि गर्ग आदिअतिथियों द्वारा मां भारती का पूजन अर्चन कर छात्र छात्राओं को पुरस्कृत सम्मान किया गया। एवं पत्रकार साथियों के साथ सभी मनचासिन अतिथियों का भी संस्था की ओर से सम्मान किया गया।इन छात्र छात्राओं के उत्कृष्ट टॉप रैंक 10वीं मे आकांक्षा पयासी 96 प्रतिशत प्रथम रैंक, मधुसूदन नामदेव 95 प्रतिशत दूसरी रैंक, श्रेया श्रीवास्तव 94,6प्रतिशत तृतीय रैंक इसीप्रकार 12वीं में वाणिज्य संकाय से पुष्पांजलि द्विवेदी 95.8प्रतिशत प्रथम रैंक, गणित संकाय ऋषभ पयासी 89 प्रतिशत द्वितीय रैंक, रूबी पटेल 83 प्रतिशत जीवविज्ञान संकाय तृतीय रैंक,स्थान अर्जित किया। इसके साथ सभी 75 प्रतिशत से ऊपर अंक लाने वाले सभी छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह, मिठाई पुष्प प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर स्वागत उद्बोधन विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री आनंद प्रकाश तिवारी जी ने, तिलक वंदन पुष्प वंदन प्राचार्य योगेन्द्र तिवारी जी ने सभी मनचासिन अतिथियों का किया। सभी अतिथियों ने छात्र छात्राओं के उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने पर सारगर्भित उद्बोधन प्रदान करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। सभी अतिथियों का आभार प्रकट व्यवस्थापक अंबुज द्विवेदी जी ने किया। निश्चित ही सरस्वती शिशु मंदिर का परीक्षा परिणाम हमेशा से ही भैया बहनों का परिणाम उत्कृष्ट रहता है यह मैहर का एक मात्र संस्कार सनातनी विद्यालय की पराकाष्ठा को अंगीकार करता है। सभी अभिभावकों ने इस विद्यालय के उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने पर कोटि कोटि आभार शुभकामनाएं प्रदान करते हुए समस्त विद्यालय के आचार्य गणों को सादर साधुवाद प्रदान किया है।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICI

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मगरौरा वार्षिक परीक्षा परिणाम 2025-26 घोषित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर।मगरौरा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मगरौरा का कक्षा 10वीं एवं 12वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। इस वर्ष विद्यार्थियों ने मेहनत एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन में बेहतर प्रदर्शन किया। कक्षा 10वीं का परिणाम कक्षा 10वीं में कुल 75 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से 60 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए। प्रथम श्रेणीः 41 छात्र द्वितीय श्रेणीः 19 छात्र अनुत्तीर्णः 15 छात्र कुल उत्तीर्ण प्रतिशतः 80फीसदी इस कक्षा में श्वेता रवि ने 95फीसदी अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। कक्षा 12वीं का परिणाम (सत्र 2025-26) कक्षा 12वीं में कुल 92 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और सभी उपस्थित रहे। इनमें से 74 विद्यार्थी सफल घोषित हुए। कुल उत्तीर्ण प्रतिशतः 80.20फीसदी इस कक्षा में ऋषभ सिंह ने 85.8फीसदी अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है तथा असफल विद्यार्थियों को आगे और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत ग्राम पंचायत में चलाया जा रहा है स्वच्छता अभियान- डीपीआरओ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी हर्षिता

माथुर के निर्देशानुसार व मुख्य विकास अधिकारी अन्जू लता के मार्गदर्शन में बुधवार को संचारी रोग नियन्त्रण अभियान अन्तर्गत जनपद के समस्त 980 ग्राम पंचायतों में 01 से 30 अप्रैल, 2026 तक स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें रोस्टर लगाकार सफाई कर्मचारियों के माध्यम से झाड़ी कटाई, नाली सफाई, उथले हैण्डपम्पों का चिन्हीकरण, एन्टीलार्वा एवं दवा का छिड़काव तथा फॉगिंग आदि का कार्य कराया जा रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी सौम्य शील सिंह ने बताया कि 01 से 15 अप्रैल 2026 तक जनपद की 510 ग्राम पंचायतों में 1591 सफाई कर्मचारियों द्वारा साफ-सफाई का कार्य किया गया, साथ ही साफ-सफाई के दौरान ग्राम पंचायत से निकलने वाले कूड़े को ई-रिक्शा के माध्यम से एकत्रित कर निस्तारित कराये जाने के साथ-साथ ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि साफ-सफाई हेतु रोस्टर के अनुसार लगाये गये कर्मचारियों के कार्यो का मेरे द्वारा रैण्डम आधार पर भी निरीक्षण किया जा रहा है तथा क्रॉस वेरिफिकेशन हेतु अन्य विकास खण्डों के सहायक विकास अधिकारी (पं0) को नामित किया गया है, जिनके द्वारा प्रतिदिन स्थलीय निरीक्षण करते हुए कराये गये कार्यों एवं नामित कर्मचारियों की उपस्थिति का अनुश्रवण किया जा रहा है। जिसमें किसी भी कर्मचारी के कार्यक्षेत्र से अनुपस्थिति होने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी। जिसके परिणाम स्वरूप कर्मचारियों द्वारा उपस्थित रहकर टीम भावना के साथ ग्राम पंचायत में झाड़ी कटाई, नाली सफाई, एन्टीलार्वा एवं दवा का छिड़काव तथा फॉगिंग आदि का कार्य किया जा रहा है।

'असफलता सीख है, हार नहीं' – गलगोटिया विश्वविद्यालय में जया किशोरी जी ने युवाओं को दिया जीवन का मंत्र

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा गलगोटिया विश्वविद्यालय में अमर उजाला द्वारा आयोजित 'जीवाजलीः विचारों से बदलाव तक' कार्यक्रम का सफल केंद्रित करना और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि मोटिवेशन तभी सार्थक होता है, जब उसे व्यवहार में उतारा जाए। केवल बल्कि वह एक सीख होती है,' और जो व्यक्ति अपनी गलतियों से सीख लेता है, वही सफलता की ओर अग्रसर होता है। उन्होंने युवाओं को समर्पण, प्रतिबद्धता और

आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक एवं मोटिवेशनल स्पीकर जया किशोरी जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और उनके विचारों से प्रेरित हुए। अपने संबोधन में जया किशोरी जी ने जीवन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जीवन में समस्याएँ आना स्वाभाविक है, लेकिन उनसे भागने के बजाय उनका समाधान खोजना ही सही मार्ग है। कठिन परिस्थितियाँ ही व्यक्ति को मजबूत बनाती हैं और आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने दूसरों से तुलना को व्यक्ति की सबसे बड़ी कमजोरी बताते हुए कहा कि हर व्यक्ति की अपनी अलग यात्रा होती है। इसलिए स्वयं पर ध्यान सुनना पर्याप्त नहीं, बल्कि उस पर कार्य करना ही वास्तविक बदलाव लाता है। रिश्तों के संदर्भ में उन्होंने कहा कि कई बार लोग सफलता या पद के लिए अपने संबंधों की उपेक्षा कर देते हैं, जबकि वास्तविक खुशी संतुलन बनाए रखने में है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय के महत्व को समझाते हुए कहा कि समय एक बार चला जाए तो वापस नहीं आता, इसलिए प्रत्येक क्षण का सदुपयोग करना चाहिए। जया किशोरी जी ने आत्म-संदेह को दूर कर आत्मविश्वास बनाए रखने, तथा जीवन के विभिन्न पहलुओं–शारीरिक स्वास्थ्य, खान-पान की आदतें, नींद का पैटर्न और मानसिक स्वास्थ्य–के संतुलन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि 'असफलता वास्तव में असफलता नहीं होती, सकारात्मक सोच अपनाने की सलाह देते हुए कहा कि भावनाएँ अक्सर अल्पकालिक होती हैं, जबकि तर्क दीर्घकाल में मार्गदर्शन करता है, इसलिए निर्णय सोच-समझकर लेना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने ध्यान, आत्म-नियंत्रण और अनुशासन को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपने प्रश्न प्रस्तुत किए, जिनका जया किशोरी जी ने सरल और प्रेरणादायक उत्तर दिया।कार्यक्रम के समापन पर ध्रुव गलगोटिया ने जया किशोरी जी को स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। वहीं अमर उजाला, नोएडा के पुष्पेंद्र चौहान द्वारा भी उन्हें पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

परीक्षा परिणाम और मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्यः तुलना, आलोचना और सोशल मीडिया के दौर में विद्यार्थियों की मानसिक दुनिया

लेखिकाः डॉ. इशान्या राज, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, प्रयागराज (उ.प्र.)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। परीक्षा परिणाम केवल अंक या ग्रेड नहीं होते, बल्कि वे एक बच्चे की आत्म-छवि, आत्म-सम्मान और भविष्य की धारणाओं को गहराई से प्रभावित करते हैं। आज के समय में, जहाँ हर

उपलब्धि तुरंत सोशल मीडिया पर प्रदर्शित होती है, वहाँ विद्यार्थियों के लिए परिणाम का मनोवैज्ञानिक प्रभाव और भी जटिल हो गया है। 1. तुलना और आलोचना का मनोवैज्ञानिक प्रभाव-भारतीय पारिवारिक और शैक्षिक व्यवस्था में तुलना एक सामान्य प्रवृत्ति है–'देखो, शर्मा जी के बेटे के कितने अच्छे नंबर आए हैं।' इस प्रकार की तुलना बच्चों में इन्फेरियोरिटी कॉम्प्लेक्स (हीन भावना) और परफॉर्मेंस एंग्जायटी को जन्म देती है। लगातार आलोचना (criticism) बच्चे के भीतर एक 'इनर क्रिटिक' विकसित कर देती है, जो हर प्रयास को कमतर आंकता है। इससे बच्चा धीरे-धीरे सेल्फ-डाउट और फियर ऑफ फेल्योर का शिकार हो जाता है। 2. सोशल मीडिया और 'शो-ऑफ कल्चर' आज परिणाम आते ही स्क्रीनशॉट, टॉपर्स की पोस्ट, और रैंकिंग का प्रदर्शन शुरू हो जाता है। यह 'शो-ऑफ कल्चर' उन विद्यार्थियों के लिए ट्रिगर बन सकता है, जिनके अपेक्षित अंक नहीं आए। यहाँ सोशल कम्पैरिजन थ्योरी सक्रिय होती है–बच्चा खुद को दूसरों से तुलना कर अपने मूल्य का आकलन करता है। परिणामः-'मैं दूसरों जितना अच्छा नहीं हूँ' 'मेरी कोई वैल्यू नहीं है' 'सब मुझसे आगे निकल गए' 3. इनवैलिडेटिंग एनवायरनमेंट का असर जब परिवार या शिक्षक बच्चे की भावनाओं को यह कहकर खारिज कर देते हैं–'इतना भी क्या रोना?', 'और मेहनत करते तो अच्छे नंबर आते'–तो यह इमोशनल इनवैलिडेशन बन जाता है। ऐसे वातावरण में बच्चे अपनी भावनाओं को दबाना सीखते हैं, जिससे आगे चलकर इमोशनल डिसरेगुलेशन और लो सेल्फ-वर्थ विकसित होता है।4. व्यक्तित्व निर्माण पर प्रभाव-लगातार तुलना, आलोचना और मान्यता की कमी से बच्चों में निम्नलिखित व्यक्तित्व लक्षण विकसित हो सकते हैंःपरफेक्शनिस्टिक टेंडेंसी (हर चीज़ में परफेक्ट होने का दबाव) पीपल-प्लीजिंग बिहेवियर (दूसरों को खुश करने की आदत) अवॉइडेंट पर्सनालिटी ट्रेट्स (चुनौतियों से बचना) लो कॉन्फिडेंस और हाई सेल्फ-क्रिटिसिज्म 5. सामान्य मनोसामाजिक परिणाम-परीक्षा परिणाम के बाद कई विद्यार्थियों में निम्नलिखित समस्याएँ देखी जाती हैंः नींद में गड़बड़ी (Insomnia) भूख में कमी या अधिकता सामाजिक दूरी (Social Withdrawal) चिड़चिड़ापन और गुस्सा पढ़ाई से अरुचि 6. डिप्रेसिव कॉग्निशन (नकारात्मक सोच के पैटर्न) बच्चों के मन में कुछ सामान्य नकारात्मक विचार बनने लगते हैंः 'मैं फेल हो गया, यानी मैं बेकार हूँ' (Overgeneralization) 'अगर मैं टॉप नहीं कर पाया, तो मेरा भविष्य खत्म है' (Catastrophizing) 'सब लोग मुझे जज कर रहे हैं' (Mind Reading) 'मुझसे कभी कुछ अच्छा नहीं होगा' (Hopelessness) ये विचार धीरे-धीरे डिप्रेशन और एंग्जायटी डिसऑर्डर का रूप ले सकते हैं।

7. अभिभावकों के लिए प्रबंधन रणनीतियाँ 1. बिना शर्त स्वीकार्यता (Unconditional Acceptance) बच्चे को यह महसूस कराएँ कि उसका मूल्य केवल अंकों से तय नहीं होता। 2. तुलना से बचें- हर बच्चे की क्षमता और गति अलग होती है। तुलना आत्मविश्वास को कमजोर करती है। 3. इमोशनल वैलिडेशन दें-अगर बच्चा उदास है, तो कहें–'मैं समझ सकता/सकती हूँ कि तुम्हें कैसा लग रहा है।' यह उसे सुरक्षित महसूस कराता है। 4. परिणाम नहीं, प्रयास पर ध्यान दें प्रयास की सराहना करने से ग्रोथ माइंडसेट विकसित होता है। 5. सोशल मीडिया एक्सपोजर सीमित करें-परिणाम के बाद कुछ समय के लिए सोशल मीडिया से दूरी मानसिक शांति देती है। 6. खुला संवाद बनाए रखें-बच्चे को अपनी भावनाएँ व्यक्त करने का अवसर दें, बिना जजमेंट के। 7. प्रोफेशनल सहायता लेने में संकोच न करें।

यदि बच्चा लंबे समय तक उदास, चिड़चिड़ा या अलग-थलग रहे, तो क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट से संपर्क करें। निष्कर्ष-परीक्षा परिणाम जीवन का एक छोटा हिस्सा हैं, लेकिन उनका मनोवैज्ञानिक प्रभाव गहरा हो सकता है।

यदि हम बच्चों को एक सपोर्टिव और वैलिडेटिंग वातावरण दें, तो वे न केवल इस दौर को संभाल सकते हैं, बल्कि एक मजबूत और संतुलित व्यक्तित्व के साथ आगे बढ़ सकते हैं। बच्चों को यह सिखाना जरूरी है–'तुम्हारी पहचान तुम्हारे अंकों से नहीं, तुम्हारी समझ, संवेदनशीलता और प्रयास से बनती है।'

बेथनी कॉन्वेंट स्कूल ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय दिया

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नैनी/प्रयागराज। Bethany Con-

vent School ने एक बार फिर शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिचय देते हुए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की कक्षा 10वीं की परीक्षा में 100फीसदी परिणाम हासिल कर क्षेत्र में गौरव बढ़ाया है। विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं सफल घोषित हुए, जो कि विद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन और सतत मार्गदर्शन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। इस वर्ष विद्यालय के विद्यार्थियों ने न केवल उत्तीर्ण होकर सफलता प्राप्त की, बल्कि उत्कृष्ट अंकों के साथ अपनी प्रतिभा का भी शानदार प्रदर्शन किया। विशेष रूप से, 45 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया और यह सिद्ध किया कि निरंतर मेहनत, सही मार्गदर्शन और सकारात्मक वातावरण से असाधारण परिणाम संभव हैं। विद्यालय की टॉपर महिमा सिंह ने 98फीसदी अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। इसके अतिरिक्त तुहिना पांडे ने 97.4फीसदी, आकृति यादव ने 96.8फीसदी, सृष्टि सिन्हा एवं दर्शिता मिश्रा ने 96फीसदी अंक प्राप्त किए। वहीं आयुष यादव, आराध्या मौर्य और आशुतोष ओझा ने 95.8फीसदी अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मोहम्मद मोहिउद्दीन ने 95.6फीसदी, अंश यादववंशी ने 95.2फीसदी तथा सृष्टि कुशवाहा ने 95फीसदी अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। इन सभी विद्यार्थियों की उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व का विषय है। इस शानदार परिणाम पर अभिभावकों ने अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय की प्रधानाचार्या Sr. Dr. Shamitha की विशेष रूप से प्रशंसा की। अभिभावकों का कहना है कि विद्यालय में न केवल शैक्षणिक गुणवत्ता उच्च स्तर की है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है, जिससे बच्चे आत्मविश्वासी और अनुशासित बनते हैं। प्रधानाचार्या सिस्टर डॉ. शमीथा ने इस सफलता का श्रेय विद्यालय के समर्पित एवं अनुभवी शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और लगन को दिया। उन्होंने कहा कि यह परिणाम टीमवर्क, अनुशासन और निरंतर प्रयास का परिणाम है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को उनकी इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आगे कहा कि विद्यालय सदैव विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में भी उन्हें बेहतर शिक्षा, मार्गदर्शन और अवसर प्रदान करता रहेगा, ताकि वे जीवन के हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें। विद्यालय प्रबंधन ने भी सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि आने वाले वर्षों में भी विद्यालय इसी प्रकार उत्कृष्ट परिणाम देता रहेगा।

लखनऊ में मिशन शक्ति 5.0 के तहत नारी जागरूकता चौपाल का आयोजन, महिलाओं व बच्चों को किया जागरूक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। में वासंतिक नवरात्र के पावन पर्व पर मिशन शक्ति 5.0 अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को लेकर 'नारी जागरूकता चौपाल' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम निदेशक, महिला कल्याण उत्तर प्रदेश द्वारा जारी कार्ययोजना के अनुसार तथा जिलाधिकारी लखनऊ के नेतृत्व एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में 42 नई बस्ती, नबी उल्लाह रोड, बांस मंडी, रिवर बैंक चौकी क्षेत्र में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान पुलिस विभाग की ओर से उप निरीक्षक हनीमान यादव, उप निरीक्षक दिनेश कुमार मिश्रा, उप निरीक्षक गुलाब सिंह यादव एवं प्रदीप कुमार सिंह ने महिलाओं को घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न तथा उनके कानूनी अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। वहीं मिशन शक्ति प्रभारी वजीरगंज उप निरीक्षक असगरी बानो ने महिलाओं को आत्मरक्षा, सुरक्षा एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक करते हुए शिक्षा के महत्व पर जोर दिया और बताया कि महिलाएं शिक्षा के माध्यम से अपने परिवार और बच्चों का बेहतर संरक्षण कर सकती हैं। चाइल्डलाइन से प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर जयावती सिंह ने बच्चों की सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं के साथ हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी साझा की। इसके अतिरिक्त हब फॉर इंपावरमेंट ऑफ वूमेन से वंदना द्विवेदी ने महिलाओं एवं बच्चों की समस्याओं को सुनते हुए उन्हें आगे बढ़ने और शिक्षा से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने भारत सरकार एवं महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं–जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) एवं स्पॉन्सरशिप योजना–की जानकारी देकर लाभ लेने हेतु आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

बृज बिहारी सहाय विद्या मंदिर में शानदार परीक्षा परिणाम, छात्रा सलोनी केशरवानी ने किया टॉप

प्रयागराज। बृज बिहारी सहाय विद्या मंदिर, कादिलपुर का अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय से कुल 156

सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम इस वर्ष अत्यंत उत्कृष्ट रहा। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का परचम लहराया। विद्यालय की छात्रा 'सलोनी केशरवानी' ने 94.44फीसदी अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कामरान सामी ने 94.24फीसदी अंक के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त सुप्रिया पाल (90.8फीसदी), प्रिंसी सिंह (90.4फीसदी) एवं खुशबू यादव (90.4फीसदी) ने भी उत्कृष्ट छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया, जिनमें सभी सफल रहे। इस शानदार परिणाम पर विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने हर्ष व्यक्त किया। विद्यालय के प्रबंधक सी.बी. सहाय ने सभी सफल छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन एवं अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने भी सभी विद्यार्थियों को मिठाई खिलाकर उनकी सफलता का उत्सव मनाया।

बेटी ने बढ़ाया मानः अपेक्षा गुप्ता ने MP Board 10वीं में प्रदेश में बनाई टॉप-10 में जगह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। जिले के ब्यौहारी से एक गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक खबर शहडोल जिले के लिए यह एक प्रेरणा बन गई है। स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है और हर कोई इस

सामने आई है, जिसने पूरे क्षेत्र को खुशी और गर्व से भर दिया है। नगर परिषद अध्यक्ष राजन गुप्ता की पुत्री अपेक्षा गुप्ता ने मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 500 में से 490 अंक (98फीसदी) अर्जित किए हैं। इस उत्कृष्ट उपलब्धि के साथ अपेक्षा ने पूरे प्रदेश में 10वाँ स्थान हासिल कर शहडोल जिले का नाम रोशन कर दिया है। यह सफलता केवल अंकों की कहानी नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी प्रेरक यात्रा का परिणाम है जिसमें मेहनत, अनुशासन, समर्पण और परिवार से मिले संस्कारों का गहरा योगदान रहा है। अपेक्षा ने अपनी लगन और निरंतर प्रयास से यह साबित कर दिया कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुकाम दूर नहीं होता। अपेक्षा गुप्ता की इस उपलब्धि ने न सिर्फ उनके परिवार को गर्व का एहसास कराया है, बल्कि पूरे ब्यौहारी नगर और होनहार बेटी की सफलता पर बधाई दे रहा है। एक पिता के रूप में राजन गुप्ता ने भावुक होकर बताया कि उन्होंने अपनी बेटी को बचपन से ही पढ़ाई के प्रति समर्पित देखा है। उसकी मेहनत, अनुशासन और सीखने की जिज्ञासा ने ही उसे इस मुकाम तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सिर्फ एक पड़ाव है, अभी उसकी यात्रा लंबी है और वह आगे भी बड़े लक्ष्य हासिल करेगी। परिवार ने इस सफलता का श्रेय अपेक्षा की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और परिवार के सहयोग को दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि बेटियों को अवसर और प्रोत्साहन मिले, तो वे हर क्षेत्र में परचम लहरा सकती हैं। अपेक्षा गुप्ता की यह उपलब्धि क्षेत्र के अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा बन गई है, जो अब और अधिक मेहनत कर अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। शहडोल की इस होनहार बेटी को उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएं!

अवैध शराब तस्करों की अब खैर नहीं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। पुलिस अधीक्षक मैहर अवधेश प्रताप सिंह के निर्देशन में के कारोबार से जुड़े है बच नहीं पाएंगे। फिलहाल जिन तीन तस्कर गुड्डू पटेल हरदासपुर, महेंद्र

सीएसपी महेंद्र सिंह चौहान की अगुवाई में नगर निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी की टीम ने अवैध शराब के बड़े तस्करों को दबोच कर यह साफ संदेश दे दिया है कि शराब का अवैध कारोबार अब मैहर में संचालित नहीं हो सकेगा। मिली जानकारी के अनुसार मैहर पुलिस अवैध शराब के कारोबारियों को चिन्हित कर उनकी कमर तोड़ने की पुख्ता तैयारी कर ली है। रात के स्याह अंधेरे में तस्कर जो खेल खेलते रहे है अब उनपर पुलिस की पैनी नजर है। क्षेत्र में कौन कौन तस्कर है जिनके संबंध अवैध शराब चौरसिया अमरपाटन सहित धर्मेंद्र परौहा धनवाही को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की ये अवैध शराब के बड़े तस्कर माने जाते थे और काफी दिनों से मैहर पुलिस के राड़ार में थे। तस्करों के विरुद्ध आबकारी की धारा 34/2 की कार्यवाही सुनिश्चित कर साफ संकेत दे दिया गया कि अब मैहर जिले में तस्करों के लिए कोई जगह नहीं। तस्करों को एक बात अब गांठ बांध लेनी चाहिए कि जिले के कप्तान अब अवधेश प्रताप सिंह है तस्कर या तो तस्करी छोड़ दे या जिला छोड़ दें।

मिशन शक्ति के तहत नुक्कड़ नाटक से दिया 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का संदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मिशन शक्ति के अंतर्गत 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' एवं 'कन्या भ्रूण हत्या' जैसे अति महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूकता हेतु आदर्श इंटर कॉलेज के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति की गई। नाटक में छात्राओं रानी, आरुषि, अदिति, उजमा, नंदिनी आदि ने प्रमुख भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम चाइल्ड हेल्पलाइन तथा महिला थाना के सहयोग से नगर के प्रमुख स्थानों- बढ़ौली चौराहा तथा शीतला मन्दिर चौराहा- पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महिला थाना प्रभारी सविता सरोज, चाइल्ड हेल्पलाइन के परियोजना समन्वयक मुकेश सिंह तथा आदर्श इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य संतोष कुमार के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर चाइल्ड हेल्पलाइन से सीमा शर्मा, अमन सोनकर, रविन्द्र कुमार तथा विद्यालय से डॉ. मंजू सिंह, शिवमणि, विनीत कुमार पांडेय का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बड़ी संख्या में राहगीरों को जागरूक किया गया।

आबकारी एक्ट का वांछित गिरफ्तार-पुलिस ने डोडहर गांव से कोटे केवट को पकड़ा

सोनभद्र। सोनभद्र के बीजपुर में पुलिस ने गुरुवार को आबकारी एक्ट के तहत वांछित एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोपी कोटे केवट को डोडहर गांव से पकड़ा गया। पुलिस उच्चाधिकारियों के निर्देश पर प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने एक टीम गठित की थी। इस टीम में उपनिरीक्षक दीनानाथ राम, आरक्षी प्रमोद कुमार और आरक्षी हरीश चंद शामिल थे। टीम ने सरकारी वाहन से अभियुक्त के घर दबिश दी और उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त कोटे केवट न्यायालय की निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं हो रहा था। इसी कारण उसके खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी किया गया था। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की गई। इसके बाद उसे न्यायालय में पेश करने के लिए रवाना किया गया।

सर्वसमाज ने भाजपा जिलाध्यक्ष का किया समर्थन,मनगढ़ंत आरोप लगाने वाले बूथ अध्यक्ष के खिलाफ लोगो में गुस्सा

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज स्थित एक होटल में गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी के बैनर तले सर्वसमाज की एक विशाल बैठक आयोजित की गई।इसमें भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता के सम्मान में बड़ी संख्या में विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लेकर अपना समर्थन व्यक्त किया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता की छवि स्वच्छ और लोकप्रिय है। वह सदैव पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सुख-दुख में खड़े रहते हैं और पार्टी को मजबूत करने की दिशा में दिन-रात कार्य करते हैं। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बूथ अध्यक्ष द्वारा मनगढ़ंत आरोप लगाकर जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता की स्वच्छ छवि को साजिशन खराब करने और पार्टी की साख को बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि सीधे-सादे और ईमानदार जिलाध्यक्ष को अपमानित किया जा रहा है।कुछ वक्ताओं ने इसे विपक्षी पार्टी से जुड़े तत्वों की अंदरूनी साजिश से इनकार नहीं किया,क्योंकि भाजपा कार्यकर्ता अनुशासित होते हैं।सर्वसमाज की चेतावनी सभा में वैश्य व्यापारी और अन्य लोगों ने स्पष्ट रूप से ऐसे तत्वों को चेतावनी दी।उन्होंने कहा कि यदि इसी प्रकार बेबुनियाद आरोप लगाए जाते रहे,तो वे एकजुट होकर साजिश रचने वालों को सफल नहीं होने देंगे और जरूरत पड़ने पर विरोध-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ कथित लोग मनगढ़ंत आरोप लगाकर जिलाध्यक्ष को कमजोर करने के साथ-साथ देश की लोकप्रिय पार्टी भारतीय जनता पार्टी को भी कमजोर करने में लगे हैं।अब समय आ गया है कि पार्टी में रहकर साजिश रचने वाले तत्वों को चिन्हित कर पार्टी से निष्कासित किया जाए,ताकि भारतीय जनता पार्टी में सर्वसमाज की एकजुटता बनी रहे। वक्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी को श्यामा प्रसाद मुखर्जी ,अटल बिहारी वाजपेयी समेत महापुरुषों के पदचिन्हों पर चलने वाली पार्टी बताया।उन्होंने कहा कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी मजबूत हो रही है और देश-प्रदेश में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। बैठक में मुख्य रूप से आलोक सिंह,रंजीत सिंह,राजेंद्र मौर्य,रामशरण गुप्ता,जोखन गुप्ता, शशिभूषण पांडेय अरुण कुमार,रजनीश गुप्ता,रामलाल अगरिया,अनिल तिवारी,आशीष कुमार,प्रमोद कुमार गुप्ता,आर्यन गुप्ता,अनुपम सिंह, धीरज सिंह, अनिल विश्वकर्मा,आजाद भाई पटेल, मिंटू मौर्य सहित दर्जनों बीजेपी के कार्यकतागण मौजूद रहे।

रेणुकूट में नशा मुक्ति केंद्र का उद्घाटन,समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया

सोनभद्र। रेणुकूट में गुरुवार को चाचा कॉलोनी के समीप एक नशा मुक्ति केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र की स्थापना हिंडालको जन सेवा ट्रस्ट और अभय ह्यूमन वेलफेयर सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में की गई है। वाराणसी जोन के एजी पीयूष मोर्डिया और हिंडालको के प्रबंध निदेशक सतीश पाई ने संयुक्त रूप से इसका शुभारंभ किया। उद्घाटन समारोह में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, ग्रामीण और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि पीयूष मोर्डिया ने अपने संबोधन में कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक समस्या है, जो न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि किसी व्यक्ति को नशे की लत लग गई है, तो उसे तिरस्कृत करने के बजाय उसकी मदद करनी चाहिए और उसे इस लत से बाहर निकालने का प्रयास करना चाहिए। हिंडालको के प्रबंध निदेशक सतीश पाई ने बताया कि वर्ष 1960 में रेणुकूट से ही हिंडालको की शुरुआत हुई थी। इसलिए कंपनी का दायित्व है कि वह इस क्षेत्र के सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाए। उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र की स्थापना को समाज के लिए एक सराहनीय कदम बताया और विश्वास व्यक्त किया कि इससे लोगों को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। उन्होंने आशा जताई कि इस पहल से रेणुकूट क्षेत्र जल्द ही नशामुक्त हो सकेगा। इस अवसर पर वाराणसी जोन के आईजी आरपी सिंह, पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, हिंडालको के सीईओ समीर नायक, संबलपुर के बिजनेस हेड के. एन. पांडेय, जसबीर सिंह, निखिल यादव, अजय सिन्हा, अभय भार्गव और सीओ पिपरी हर्ष पांडेय सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। इस नशा मुक्ति केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र में नशे की समस्या से जूझ रहे लोगों को नई दिशा और सहारा मिलने की उम्मीद है, जिससे समाज में जागरूकता बढ़ेगी और नशामुक्त वातावरण तैयार होगा।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

मार्श का 102 मीटर लंबा सिक्स,पंत रिटायर हर्ट हुए, कोहली 49 पर आउट, जितेश के सिक्स पर बॉल बॉय का कैच

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल 2026 के 23वें मैच में लखनऊ सुपर जाएंट्स को 5 विकेट से हराया। चिन्नास्वामी स्टेडियम में मिचेल मार्श ने 102

मीटर लंबा सिक्स लगाया। लखनऊ के कप्तान ऋषभ पंत चोटिल होकर रिटायर हर्ट हुए। बुधवार को विराट कोहली 49 रन पर आउट होकर अर्धशतक से चूक गए। मैच में दिलचस्प पल तब दिखा, जब जितेश शर्मा के सिक्स पर बाउंड्री के बाहर खड़े बॉल बॉय ने बेहतरीन कैच लपक लिया। 1. मार्श का 102 मीटर लंबा सिक्स स्टेडियम के बाहर गया-लखनऊ की पारी के तीसरे ओवर में मिचेल मार्श ने भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर सिक्स लगाया। यह शॉट मिडविकेट के ऊपर से 102 मीटर दूर जाकर स्टेडियम के बाहर चला गया। भुवनेश्वर ने शॉर्ट बॉल फेंकी। मार्श ने बैकफुट पर जाकर गेंद को डीप मिडविकेट के पार भेजा। 2. हेजलवुड की गेंद पर पंत चोटिल, रिटायर हर्ट होकर लौटे-पारी के पांचवें ओवर में जोश हेजलवुड की गेंद ऋषभ पंत की कोहनी पर लगी। यह गेंद ऑफ स्टंप के बाहर थी। पंत ने शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से कनेक्ट नहीं हुई और उनकी बाईं कोहनी पर लगी। इसके बाद वे दर्द से कराहते नजर आए। फिजियो मैदान पर आए, लेकिन पंत रिटायर हर्ट होकर पवेलियन लौट गए। 3. पूरन-मार्श और मुकुल हुए बोल्ड-लखनऊ की पारी में तीन अहम विकेट गिरे, जिससे टीम बैकफुट पर आ गई। सातवें ओवर की पहली गेंद पर जोश हेजलवुड ने निकोलस पूरन को बोल्ड किया। बैक ऑफ लेंथ गेंद पर पूरन पुल शॉट खेलने गए। गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्टंप्स पर जा लगी। पूरन 1 रन बनाकर आउट हुए। दसवें ओवर की पांचवीं गेंद पर क्रुणाल पंड्या ने मिचेल मार्श को बोल्ड किया। बाहर जाती गेंद पर मार्श ने क्रीज में पीछे रहकर कट शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद का अंदरूनी किनारा लेकर स्टंप्स बिखर गए। मार्श 32 गेंदों में 40 रन बनाकर पवेलियन लौटे। 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर रसिख सलाम डार ने मुकुल चौधरी को बोल्ड कर लखनऊ को झटका दिया। फुल लेंथ की गेंद पर मुकुल ऑन साइड में खेलने आगे बढ़े, लेकिन गेंद धीमी गति से अंदर आकर लेग स्टंप उखाड़ गई। मुकुल 28 गेंदों में 39 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। 4. क्रुणाल पंड्या के 100 आईपीएल विकेट पूरे-11वें ओवर की दूसरी गेंद पर क्रुणाल पंड्या ने 100 आईपीएल विकेट पूरे किए। उन्होंने अब्दुल समद को आउट कर यह उपलब्धि हासिल की। क्रुणाल ने पैड्स लाइन पर गेंद डाली। समद लेग साइड में खेलने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन शॉट टाइम नहीं कर पाए और गेंद बल्ले का लीडिंग एज लेकर कवर की दिशा में गई, जहां रजत पाटीदार ने आसान कैच पकड़ा। समद बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। 5. सॉल्ट ने लपका डाइविंग कैच, पंत आउट-16वें ओवर में ऋषभ पंत को पहले जीवनदान मिला, लेकिन कुछ गेंदों बाद वे पवेलियन लौट गए। दूसरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने वाइड यॉर्कर डाली। पंत ने थर्ड मैन की ओर शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद हवा में उठी, लेकिन शॉर्ट थर्ड पर मौजूद सुयश कैच नहीं पकड़ सके और पंत को जीवनदान मिला। ओवर की पांचवीं गेंद पर भुवनेश्वर ने लो फुल टॉस डाली, जिस पर पंत ने मिडविकेट की ओर फ्लिक किया, लेकिन गेंद हवा में खड़ी हो गई। डीप से दौड़ते हुए फिल सॉल्ट ने आगे डाइव लगाकर लो कैच पकड़ लिया। पंत 1 रन बनाकर आउट हुए। 6. डेविड का शानदार रनिंग कैच-18वें ओवर की तीसरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने लखनऊ को एक और विकेट दिलाया। भुवनेश्वर ने शॉर्ट गेंद डाली, जिस पर जॉर्ज लिंडे ने कट शॉट खेलने की कोशिश की। गेंद बल्ले के ऊपरी हिस्से पर लगी और बैकवर्ड पॉइंट के ऊपर हवा में गई। वहां से टिम डेविड ने लंबी दूरी तय कर पीछे दौड़ लगाई, गेंद पर नजर बनाए रखी और बाएं कंधे के ऊपर से कैच लपका। लिंडे 7 रन बनाकर आउट हुए और भुवनेश्वर को मैच में दूसरा विकेट मिला। 7. कोहली रनआउट से बचे, 49 पर कैच आउट-पारी की शुरुआत में विराट कोहली को जीवनदान मिला। पहले ओवर में मोहम्मद शमी की ऑफ स्टंप के बाहर गुड लेंथ गेंद पर कोहली ने पॉइंट की ओर हल्का पुश किया और रन के लिए दौड़े। इस दौरान उनके और फिल सॉल्ट के बीच कन्फ्यूजन हुआ और दोनों बल्लेबाज बीच पिच पर रुक गए। हालांकि, फील्डर गेंद साफ तरीके से नहीं उठा सका और रनआउट का मौका चूक गया। इसके बाद 11वें ओवर की पहली गेंद पर आवेश खान ने उन्हें पवेलियन भेजा। फुल लेंथ गेंद पर कोहली ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले के अंदरूनी हिस्से पर लगकर लॉन्ग-ऑन की दिशा में गई, जहां निकोलस पूरन ने आसान कैच पकड़ लिया। कोहली 34 गेंदों में 49 रन बनाकर आउट हुए और अर्धशतक से 1 रन दूर रह गए। उनकी पारी में 6 चौके और 1 छक्का शामिल रहा। 8. जितेश के सिक्स पर बाउंड्री बॉल बॉय ने लपका कैच-11वें ओवर की पांचवीं गेंद पर जितेश शर्मा ने छक्का जड़ा, लेकिन इस शॉट का दिलचस्प पल बाउंड्री के बाहर दिखा। दिग्वेश सिंह राठी ने ऑफ स्टंप के बाहर फुल लेंथ गेंद डाली, जिस पर जितेश ने आगे बढ़कर शॉट खेला। उन्होंने इनसाइड-आउट शॉट लगाते हुए गेंद को वाइड लॉन्ग-ऑफ के ऊपर से स्टैंड्स में भेजा। स्टैंड्स के पास मौजूद बॉल बॉय ने कैच लपक लिया, जिससे यह सिक्स और खास बन गया।

वैशाली ने चेस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता,पहली भारतीय महिला बनीं,अब वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की जू वेनजुन से होगी भिड़ंत

नयी दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर वैशाली रमेशबाबू ने FIDE विमेंस कैंडिडेट्स टूर्नामेंट 2026 का खिताब जीत लिया है। उन्होंने 15 अप्रैल को साइप्रस के कैप सेंट जॉर्ज होटल में खेले गए फाइनल राउंड

के बाद पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहते हुए खिताब अपने नाम किया। वैशाली ने फाइनल राउंड में सफेद मोहरों से खेलते हुए रूस की अनुभवी खिलाड़ी कैटरिना लग्नो को हराया। 24 साल की वैशाली कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई हैं। अब वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जू वेनजुन को चुनौती देंगी। रूस की कैटरिना लग्नो ने मुकाबले की शुरुआत में सिसिलियन डिफेंस की ड्रैगन वेरिएशन अपनाई। यानी उन्होंने अपने किंग को सुरक्षित रखते हुए काले मोहरों को इस तरह जमाया कि उनका ऊंट (बिशप) कोने से लंबी दूरी तक असर डाल सके।इसके जवाब में वैशाली रमेशबाबू ने यूगोस्लाव अटैक खेला। मतलब, उन्होंने शुरुआत से ही सफेद मोहरों से किंग साइड पर तेज हमला करने की रणनीति अपनाई और खेल पर पकड़ बना ली। करीब 16वीं चाल तक वैशाली के पास साफ बढ़त थी। इसके बाद उन्होंने बिना जल्दबाजी किए रूसी खिलाड़ी की गलतियों का भी पूरा फायदा उठाया। 48वीं चाल पर लग्नो ने हार मान ली।

13 साल की बेटी चैट-जीपीटी से होमवर्क करती है,हर सवाल एआई से पूछती है, उसकी लर्निंग एबिलिटी कमजोर न हो जाए, क्या करूं?

जयपुर। विषय को समझेंगे- एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी,

साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ। सवाल- मैं पटना का रहने वाला हूं। मेरी 13 साल की बेटी सातवीं कक्षा में पढ़ती है। पिछले कुछ समय से अपने होमवर्क और प्रोजेक्ट के लिए वह एआई टूल्स का इस्तेमाल करने लगी है। उसे कुछ भी पूछना-जानना हो तो सीधे चैट जीपीटी से पूछकर जवाब कॉपी कर लेती है। खुद सोचने या मेहनत करने से बचने लगी है। मुझे लगता है कि जैसे वह अब इसी पर निर्भर हो गई है। हमें डर है कि कहीं इससे उसकी सोचने-समझने की क्षमता और लर्निंग एबिलिटी कम न हो जाए। हमें क्या करना चाहिए? जवाब- आपकी चिंता बिल्कुल वाजिब है। आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) बच्चों की पढ़ाई और रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। इसलिए बच्चों का एआई टूल यूज करना स्वाभाविक है। लेकिन उन्हें इसका सही इस्तेमाल सिखाना जरूरी है। अगर एआई टूल्स का सही इस्तेमाल किया जाए तो ये सीखने का एक अच्छा मीडियम बन सकता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब बच्चा पूरी तरह इस पर निर्भर हो जाता है। इससे उसकी सोचने-समझने और समस्या हल करने की क्षमता कम होने लगती है। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना होना चाहिए। आपने बताया कि आपकी बेटी पढ़ाई में अच्छी है। लेकिन अब वह मेहनत

से बचने के लिए सीधे एआई टूल्स से जवाब लेने लगी है। यह डिपेंडेंसी का एक संकेत है। लेकिन आपने सही समय पर इसे नोटिस किया है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है। इसे समझदारी के साथ आसानी से हैंडल किया जा सकता है। ध्यान रखें, एआई एक महत्वपूर्ण तकनीक है और आगे इसका इस्तेमाल बढ़ेगा। इसलिए पेरेंट्स का उद्देश्य उसे एआई से दूर रखना नहीं, बल्कि सही यूज सिखाना

होना चाहिए। एआई पर डिपेंडेंसी का बच्चे पर प्रभाव-एआई टूल्स पर जरूरत से ज्यादा निर्भरता बच्चे के सीखने की स्वाभाविक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। जब बच्चा हर सवाल का जवाब बिना खुद सोचे सीधे एआई से लेता है तो उसकी समझ और बुद्धि कमजोर होने लगती है। मनोवैज्ञानिक रूप से हमारा दिमाग 'यूज इट ऑर लूज इट' के सिद्धांत पर काम करता है। यानी जितना हम सोचते-समझते और समस्या हल करते हैं, उतना ही दिमाग तेज और एक्टिव होता है। लेकिन जब यह प्रक्रिया कम होने लगती है, तो धीरे-धीरे सोचने-समझने और एनालिसिस करने की क्षमता कमजोर पड़ सकती है। इसके अलावा एआई पर निर्भरता से बच्चे में धैर्य की कमी, जल्दी हार मानने की आदत और कॉपी-पेस्ट लर्निंग जैसी आदतें आ सकती हैं। ये आदतें आगे चलकर बच्चे की पढ़ाई और पर्सनैलिटी दोनों को प्रभावित करती हैं। पेरेंट्स बच्चे को समझाएं कि एआई एक लर्निंग टूल है, जो उनकी पढ़ाई और समझ को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। लेकिन यह कभी भी टीचर या उनके अपने दिमाग का विकल्प नहीं बन सकता। बच्चे के बताएं कि जब वे खुद सोचते हैं, सवाल करते हैं, अलग-अलग संभावनाओं को समझते हैं और गलती करके उससे सीखते हैं। इसलिए जरूरी है कि एआई का इस्तेमाल केवल गाइड या सपोर्ट के रूप में किया जाए, न कि शॉर्टकट के तौर पर। सवाल या होमवर्क में पहले खुद प्रयास करने के लिए प्रेरित करें। जब कहीं अटक जाए, तभी एआई की मदद लेने को कहें। एआई से मिला जवाब सीधे इस्तेमाल करने के बजाय उसे पढ़कर समझना और अपने शब्दों में लिखने को कहें। होमवर्क या पढ़ाई के दौरान एआई का कब और कितना इस्तेमाल करना है, इसके लिए स्पष्ट नियम बनाएं। दिन का कुछ समय ऐसा तय करें, जब बच्चा बिना किसी डिजिटल मदद के खुद पढ़ाई और प्रैक्टिस करे। बच्चे को बताएं कि एआई से बेहतर जवाब पाने के लिए सही और स्पष्ट सवाल पूछना भी एक स्किल है। एआई हमेशा 100फीसदी सही नहीं होता। इसलिए किताब, टीचर या दूसरे सोर्स से जानकारी मिलान करना सिखाएं। सही एआई यूज के लिए पेरेंट्स ग्राफिक में दिए कुछ आसान तरीके अपना सकते हैं। पेरेंट्स को चाहिए कि वे बच्चे की कोशिश और सोचने की प्रक्रिया को सराहें। आप अपनी बेटी से कह सकते हैं कि पहले वह खुद सवाल हल करने की कोशिश करे और बाद में एआई से अपने जवाब की तुलना करे। इससे उसे दो फायदे होंगे- वह खुद सोच पाएगी। एआई से नई जानकारी भी सीख पाएगी। इसके अलावा बच्ची को ऐसी एक्टिविटीज में शामिल करें, जो उसकी इमैजिनेशन और क्रिएटिविटी को बढ़ाए। बच्चे से बातचीत जरूरी इस उम्र में बच्चों के साथ बातचीत बहुत जरूरी होती है। अगर पेरेंट्स सीधे यह कहते हैं कि 'एआई मत यूज करो' तो बच्चा इससे चिड़चिड़ा हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप अपनी बेटी से बातचीत करें और उससे पूछें कि 'उसे एआई में क्या अच्छा लगता है', 'वह इसका इस्तेमाल क्यों करती है।' जब बच्ची खुलकर अपनी बात बताएगी तो आप उसकी सोच को समझेंगे। आप उसे यह समझा सकते हैं कि एआई से मदद लेना ठीक है, लेकिन सीखना बहुत जरूरी है। याद रखें, एआई के यूज के साथ संतुलन जरूरी है। अंत में यही कहूंगी कि आप अपनी बच्ची को समझाएं कि एआई एक 'टॉर्च' की तरह है, जो रास्ता दिखा सकती है, लेकिन चलना उसे खुद ही होता है। जब वह समझेगी कि एआई सिर्फ हेल्पिंग टूल है। उसे अपनी सोच-समझ के लिए मेहनत और जिज्ञासा बनाए रखनी होगी, तभी वह तकनीक का संतुलित और सही उपयोग करना सीख पाएगी।

बच्चे को वक्त नहीं दे पाते,वो जिद्दी हो रहा है, अपनी डिमांड पूरी करने के लिए ब्लैकमेल करता है!

जयपुर। सवाल- मैं दिल्ली से हूं। मेरा 8 साल का एक बेटा

है। इस कमी को पूरा करने के लिए हम अक्सर उसे महंगे गिफ्ट्स, गैजेट्स दे दिया करते थे। उसकी हर इच्छा भी पूरी करते थे। लेकिन कुछ समय से हमें ऐसा लग रहा है कि बेटे की उम्मीदें बढ़ती जा रही हैं। वह अपनी बात मनवाने के लिए इमोशनली ब्लैकमेल भी करने लगा है। हमें अब अपनी गलती का एहसास भी हो रहा है, लेकिन ये समझ नहीं आ रहा कि इसे ठीक कैसे करें। सही संतुलन कैसे बनाएं? प्लीज हेल्प। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. अमिता श्रृंगी, साइकोलॉजिस्ट, फैमिली एंड चाइल्ड काउंसलर, जयपुर जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। जवाब- सवाल पूछने के लिए शुक्रिया। यह सवाल आज कई वर्किंग पेरेंट्स की स्थिति को दिखाता है। वर्किंग पेरेंट्स के लिए काम और परिवार के बीच संतुलन बनाना चैलेंजिंग होता है। ऐसे में बच्चे को पर्याप्त समय न दे पाने पर गिल्ट होना स्वाभाविक है। बहुत से पेरेंट्स इस कमी को पूरा करने के लिए बच्चों को महंगे खिलौने, गैजेट्स या पैसे देकर खुश करने की कोशिश करते हैं। शुरुआत में

यह तरीका आसान लगता है। लेकिन धीरे-धीरे बच्चे के मन में यह धारणा बन जाती है कि प्यार का मतलब सिर्फ भौतिक चीजें या सुख-सुविधाएं हैं। हालांकि अच्छी बात है कि आपने समय रहते इस बदलाव को नोटिस किया है। ऐसे में समझदारी से इस स्थिति को मैनेज किया जा सकता है। वर्किंग पेरेंट्स को गिल्ट क्यों होता है? वर्किंग पेरेंट्स ऑफिस और घर की जिम्मेदारियों के बीच बच्चे के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं। यही सोच गिल्ट पैदा करती है। सामाजिक प्रेशर और सोशल मीडिया हर पेरेंट पर 'परफेक्ट' बनने का दबाव बनाते हैं। जब असल जिंदगी अलग होती है तो पेरेंट्स गिल्ट महसूस करते हैं। अगर बच्चा कहता है- 'आप मेरे साथ नहीं रहते' या उदास, चिड़चिड़ा दिखता है तो गिल्ट बढ़ जाता है। गिल्ट के और कई कारण हो सकते हैं- 'गिल्ट पेरेंटिंग' का बच्चे पर प्रभाव-गिल्ट की वजह से पेरेंट्स बच्चे को जरूरत से ज्यादा चीजें, छूट या लाड़-प्यार देते हैं। शुरुआत में यह 'प्यार' लगता है, लेकिन लंबे समय में इसका असर बच्चे की सोच, व्यवहार और इमोशनल डेवलपमेंट पर पड़ता है। बच्चा मानने लगता है

कि प्यार का मतलब गिफ्ट्स, पैसे और चीजें हैं। वह इमोशनल कनेक्शन की बजाय चीजों पर निर्भर हो जाता है। हर डिमांड पूरी होने पर 'ना' सुनने की आदत खत्म हो जाती है। इससे बच्चा जिद्दी और चिड़चिड़ा हो सकता है। बच्चा भौतिक चीजों से खुश तो होता है, लेकिन पेरेंट्स से जुड़ाव कमजोर होता जाता है।तुरंत सब कुछ मिलने से बच्चा धैर्य और इंतजार करना नहीं सीखता है। बाहर की दुनिया उसकी हर मांग पूरी नहीं करती, जिससे निराशा, गुस्सा और फ्रस्ट्रेशन बढ़ सकता है। इमोशनल सिक्योरिटी चीजों से नहीं, रिश्तों से मिलती है। इसकी कमी से बच्चा असुरक्षित महसूस कर सकता है। आइए, अब 'गिल्ट पेरेंटिंग' को मैनेज करने के तरीके समझते हैं। वर्किंग पेरेंट्स 'गिल्ट' कैसे मैनेज करें? वर्किंग पेरेंट्स के लिए 'गिल्ट' पूरी तरह खत्म करना संभव नहीं है। लेकिन इसे मैनेज किया जा सकता है। आइए इसे प्रैक्टिकल तरीके से समझते हैं- सबसे पहले तो समझें कि कोई भी पेरेंट 'परफेक्ट' नहीं हो सकता है।बच्चे के लिए 'डेडिकेटेड टाइम' निकालें। इस दौरान फोन का इस्तेमाल न करें। आपका थोड़ा समय भी बच्चे के लिए मायने रखता है। गिल्ट में आकर गिफ्ट देना बंद करें। इसे खास मौके तक सीमित रखें। बच्चे से ईमानदारी से बात करें। 'हम काम क्यों करते हैं' इसे समझाएं। दोनों पेरेंट्स समय निकालें, एक पर दबाव न डालें। थकान या समय न मिलने पर खुद को दोष न दें। गिल्ट में आकर बच्चे को फोन देना

आसान लगता है, लेकिन इससे दूरी और बढ़ती है। इसलिए बच्चे का स्क्रीन टाइम सीमित रखें। अगर संभव हो तो अलग-अलग शिफ्ट में काम करें, ताकि एक व्यक्ति बच्चे के साथ रहे। ध्यान रखें, आपका समय और अटेंशन बच्चे की सबसे बड़ी जरूरत है। वीक ऑफ एक ही दिन रखें। काम के घंटे कम करें या रिमोट वर्क देखें। दादा-दादी या नाना-नानी की मदद लेना भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है। कुल मिलाकर इस समय बच्चे को ज्यादा समय, ज्यादा अटेंशन और ज्यादा साथ की जरूरत है। पेरेंटिंग गिल्ट को मैनेज करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखें। बच्चे के लिए पेरेंट्स का साथ जरूरी बच्चे के लिए पेरेंट्स का साथ उसकी इमोशनल, मेंटल और सोशल ग्रोथ की बुनियाद होता है। यह उसकी पर्सनैलिटी को आकार देता है। जब पेरेंट्स साथ होते हैं, बच्चा खुद को सेफ महसूस करता है। उसे लगता है कि 'कोई है, जो मुझे समझता है और मेरे साथ है।' इससे कॉन्फिडेंस बढ़ता है। पेरेंट्स से बात करते-करते बच्चा बोलना सीखता है। फीलिंग्स एक्सप्रेस करना सीखता है।बच्चे पेरेंट्स को देखकर सीखते हैं। आप जैसा व्यवहार करते हैं, वैसा ही वह अपनाता है। पेरेंट्स के साथ रहने से बच्चा गुस्सा संभालना, निराशा से निपटना और शेयर करना जैसी लाइफ स्किल्स सीखता है। बच्चे के लिए सबसे बड़ा गिफ्ट महंगी चीजें नहीं, आपका 'साथ' है। आज दिया गया साथ, बच्चे का कल मजबूत बनाता है। बच्चे को समय की कमी कैसे समझाएं? 6-10 साल के बच्चे में समझने की क्षमता विकसित हो रही होती है। ऐसे में उन्हें अपने काम के बारे में तर्क से समझाया जा सकता है। इसके लिए कुछ बातों का ध्यान रखें- सीधे 'हम बिजी हैं' कहने से बच्चा खुद को इग्नोर्ड महसूस कर सकता है।इसकी बजाय कहें- 'हम काम करते हैं ताकि तुम्हारी जरूरतें पूरी कर सकें, लेकिन तुम्हारे साथ रहना हमें सबसे अच्छा लगता है।' उसे बताएं, 'हमें तुम्हारे साथ खेलना बहुत पसंद है, हम इस संडे साथ में जरूर खेलेंगे।' उसे बताएं कि बाकी दिनों में आपको पर्याप्त समय नहीं मिल पाता है। उसे बताएं कि आपका काम परिवार के लिए क्यों जरूरी है। ईमानदारी से बातचीत करना भरोसा बनाने में मदद करता है। अंत में यही कहूंगी कि बच्चों के लिए सबसे बड़ी जरूरत महंगे गिफ्ट्स नहीं, बल्कि माता-पिता का समय, अटेंशन और प्यार है। अगर पेरेंट्स रोज थोड़ी देर भी बिना मोबाइल, बिना काम के बच्चे के साथ बिताते हैं तो यह बच्चे के लिए बहुत मायने रखता है।

तरीका कोई भी हो आप उसे सही या गलत नहीं बता सकतें

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे पर न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी

वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्यमकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

उम्मीद व्यावहारिकता लाभ और कोशिश

कहीं एक सोनम ने पति की हत्या करवा दी। कहीं इस भर गर्मी में लोग नहाते हुए डूब गए- सेल्फी लेते हुए, कोई मस्ती करते हुए या एक-दूसरे को बचाते हुए।पीछे छोड़ गए परिजन के लिए दुःखों का पहाड़ या त्रास। यह दुःख देखकर कभी मन पूछता है कि- ये धरती अति सुंदर किताब है। चांद-सूरज की जिल्द वाली।पर हे! ईश्वर, ये दुःख, भूख, सहम और गुलामी, ये सब तेरी इबारत हैं या प्रूफ की गलतियां? दूसरी तरफ मई और जून की गर्मी में जब कहीं-कहीं भारी बारिश हुई तो सड़कों, गलियों की हकीकत सामने आ गई।और ये हर बार होता है। हर बारिश में। वर्षों से। कोई सुध नहीं लेता। कोई कुछ करता-धरता नहीं। लोग कह-कहकर थक गए। उनकी अर्जियों को कीड़े चट कर गए, पर वे कभी किसी मंत्री या अफसर या बाबू के टेबल तक नहीं पहुंच सकीं। अमृता प्रीतम ने ठीक ही कहा है कि हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हैं।सड़कें बेतुकी दलीलों की तरह। ...और गलियां इस तरह, जैसे कोई एक बात को इधर घसीटे। कोई उधर। इस सब के बीच हर मकान किसी मुट्ठी की तरह भिंचा हुआ लगता है। दीवारें किचकिचाती-सी।और नालियां जैसे मुंह से झाग बहता है! साइकलों, स्कूटरों और कारों के पहिए गालियों की तरह गुजरते हैं और घंटियां, हार्न एक-दूसरे पर झपटते हुए भां-भां करते रहते हैं।रात सिर पटकती हुई आती है और चली जाती है। पर नींद में भी ये बहस खत्म नहीं होती। इसीलिए, हां इसीलिए हमारे, हमारे-सबके शहर एक लम्बी बहस की तरह हो चले हैं।पचास-पचास, सौ-सौ साल हो गए, लेकिन शहरों के हालात जस के तस हैं। कहने को बड़े-बड़े ओवर ब्रिज, पुल-पुलिया बना दिए गए हैं, लेकिन इनके नीचे सब कुछ वैसा ही कचरा फैला पड़ा है, जैसे सुंदर कालीन के नीचे गंदगी होती है।कभी किसी उद्योगपति के कहने पर पुल की दिशा मोड़ दी गई तो कभी किसी नेता की कृपा से बेतुका ढांचा बना दिया गया। किसी पुल पर चढ़ सकते हैं तो उतर नहीं सकते।किसी से उतरना इतना दूभर है कि उस पर कोई चढ़ना ही नहीं चाहता। विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं।सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है। कह सकते हैं कि राजनीति घुप अंधेरे की तरह है।उसका हाल वैसा ही है, जैसे कोई रात काली चील की तरह उड़ते हुए सूरज को ढूंढने निकली हो! जिस तरह रात को कभी सूरज नहीं मिल पाता, उसी तरह राजनीति का लोगों की भलाई से कोई संगम नहीं हो पाता।एक मशहूर लेखक ने लिखा है कि राजनीति दरअसल, एक क्लासिक फिल्म की तरह होती है।इस फिल्म का हीरो बहुमुखी प्रतिभा का धनी होता है और समय-समय पर बदलता रहता है।हीरोइन सत्ता की कुर्सी है, जो हमेशा एक जैसी रहती है। बदलती नहीं। विभिन्न क्षेत्रों, इलाकों और मंडलों के सदस्य इसके एक्स्ट्रा कलाकार होते हैं।इस फिल्म के फाइनेंसर, गरीब, मजदूर और खेतिहर लोग होते हैं। ये फाइनेंस करते नहीं, इनसे करवाया जाता है।या कह सकते हैं कि उन्हें ऐसा करने के लिए मजबूर किया जाता है। विभिन्न विधान मंडल इस फिल्म की इनडोर शूटिंग के स्थान हैं.और मीडिया आउटडोर शूटिंग का साधन। यह फिल्म किसी ने देखी नहीं है क्योंकि इस पर जगह-जगह सेंसर बोर्ड के एम्बार्गो लगे होते हैं।जहां तक आम आदमी का सवाल है, उसे तो सहसा पता ही नहीं है कि उसकी जिंदगी जाने किसके लिए मोह की पूनी कातती फिर रही है? जबकि मोह के तार में न तो आशाओं के अम्बर को लपेटा जा सकता है. और न ही उम्मीदों के सूरज को बांधा जा सकता है।चुनाव और उसकी कवायद के सिवा कोई फिक्र नहीं.विकास हर तरफ चीखें मार रहा है और परम्परा, संस्कृति, संस्कार किसी सफेद बिछौने की सलवटों की तरह किसी कोने में झिझके पड़े हैं। सरकारों, राजनेताओं को चुनाव जीतने और उसकी कवायद करने के सिवाय कोई दूसरी फिक्र नहीं है।

एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट नहीं... जब तक है जान, होंगे इम्तेहान

मेरी डॉगी माया कुछ दिनों से बीमार थी। खाने से मुंह फेर रही थी। कभी खा भी लेती तो एक घंटे बाद उल्टी। जब दो-तीन दिन वो एक कोने में बेजान-सी पड़ी रही तो मैंने सोचा, डॉक्टर को दिखाना चाहिए। गाड़ी में बिठाकर मैं उसे अपने घर के पास वाले जानवरों के अस्पताल में ले गई। आपको जानकर हैरानी होगी, मुम्बई के महालक्ष्मी में स्थित स्मॉल एनिमल हॉस्पिटल कोई मनुष्यों के 5 स्टार हॉस्पिटल से कम नहीं। वैसे ये नगर पालिका की जमीन है मगर भव्य बिल्डिंग बनाई है टाटा ट्रस्ट ने। मैनेजमेंट भी उन्हीं का है। हर चीज का स्टैंडर्ड ऊंचा। खैर हमारी माया देवी को इस बात से कोई लेना-देना नहीं। जैसे ही हम कंपाउंड में घुसे, वो भांप गई, ये 'वो' जगह है। अब तो भाई, वो गाड़ी से उतरने को तैयार ही नहीं। तीन स्टाफ आए, मगर बहला-फुसलाकर भी हम उसे बाहर नहीं निकाल पाए। आखिर हार कर मैं वापस घर आ गई। माया के इस व्यवहार के पीछे वजह क्या थी? दस दिन पहले हम उसे इसी अस्पताल में लाए थे, सालाना वैक्सीनेशन के लिए। अब उसके अंदर डर बैठ गया था कि यहां पर इंजेक्शन लगता है। ना बाबा ना, मैं अंदर जाने वाली नहीं। कोई जबर्दस्ती करेगा तो मैं उसे काट लूंगी। भगवान ने हर प्राणी की प्रोग्रामिंग जब की, उसमें एक फीचर डाल दिया। अगर दिमाग मान ले कि फलाना डेंजर जोन है, तो अंदर से आवाज उठती है- भागो! जंगल में इस आवाज का फायदा है, क्योंकि शायद आपकी अंतर्प्रेरणा सही कह रही है। सौ मीटर दूर शेर खड़ा है, आपकी जान खतरे में है। अब हम जंगल में नहीं रहते, हर पेड़ के पीछे खतरा नहीं। लेकिन प्रोग्रामिंग वही है। माया को इंजेक्शन का डर है, यानी कि दर्द से। वैसे जब भी ब्लड टेस्ट होता है, मैं भी आंखें मूंद लेती हूं। सुई का डर मेरे अंदर कब, कैसे और कहां पैदा हुआ, उसके पीछे एक कहानी है। बचपन में हम एक सरकारी डिस्पेंसरी में जाते थे। वहां एक नर्स थीं, सिस्टर जॉर्ज। ब्लड टेस्ट लेने का काम सिस्टर जॉर्ज का था। उन दिनों सुई मोटी होती थी, और उनकी अंगुलियां भी। बंबइया हिन्दी में सिस्टर जॉर्ज का फेवरेट डायलॉग था- 'ऐ, डरने का नहीं...' फिर मेरी पतली-सी बांह उनके ताकतवर हाथों की पकड़ में, और सुई निशाने की ओर। ब्रह्मोस मिसाइल जितनी एक्यूरेसी नहीं थी सिस्टर जॉर्ज की सुई में। एक बार में सही नस नहीं मिलती थी, तो दोबारा सुई चुभातीं। सिस्टर के सांवले चेहरे पर सफेद दांतों वाली मुस्कान और ट्यूब में भरता हुआ लाल खून... यह सीन कुछ ऐसा था कि मुझे वहीं चक्कर आने लगता, एक बार तो मैं बेहोश तक हो गई। तो बस, सिस्टर जॉर्ज की बदौलत मेरे अंदर एक डर-सा बैठ गया। साल बीत गए। एक दिन मजबूरी में जब ब्लड टेस्ट किया तो मुट्ठी-आंखें बंद। मैंने टेक्नीशियन को पूछा, कितना टाइम लगेगा? वो हंस के बोला, मैडम हो गया। सुई कब अंदर गई, कब निकली, पता ही नहीं चला। दर्द का पहाड़ सिर्फ मेरे मन में था, और ऐसे कितने ही काल्पनिक पहाड़ हम अपने अंदर बसा लेते हैं।किसी को मैथ्स से डर लगता है, किसी को ऊंचाई से। वो कब, कहां, कैसे आपके अंदर आया, थोड़ा चिंतन कीजिए। हो सकता है किसी टीचर ने डांटा हो, गलत जवाब देने पर। आपके नन्हे-से दिल पर चोट ऐसी पहुंची कि फिर हाथ उठाने की हिम्मत नहीं हुई। बीस साल बीत गए लेकिन आज भी मीटिंग में आप अपनी राय देने से कतराते हैं। क्योंकि मन में आशंका है- मैंने कुछ गलत कह दिया तो? डर को जड़ से निकाल फेंकना मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं। सबसे पहले आप एक कागज पर लिख डालिए- ऐसी कौन सी चीज है, जिससे मुझे डर लगता है। 99 प्रतिशत चांस है कि आप लिखेंगे- फियर ऑफ फेल्योर। चलो, एक क्षण के लिए हम मान लें, आपने कोई एग्जाम दिया और फेल हो गए। घर पर लोग नाराज होंगे, दोस्त चर्चा करेंगे। लेकिन एग्जाम फेल हुआ है, हार्ट फेल नहीं। जब तक है जान, होंगे इम्तेहान। डर के आगे जीत है, यही दुनिया की रीत है। ललकारो उसे, सामने लाओ। हिम्मत करो, डर भगाओ। (ये लेखिका के अपने विचार हैं)

हमारे शहर की 'नाईट टाइम एकॉनमी' जल्द ही हमारे रहन सहन पर असर डालेगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया। लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे। हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं है। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

इस लड़ाई से अमेरिकियों के कौन-से हित पूरे हो रहे हैं?

ईरान मानव इतिहास की सबसे प्राचीन सभ्यताओं में से एक है। हमने कभी भी आक्रामकता, विस्तारवाद, उपनिवेशवाद या वर्चस्व का मार्ग नहीं चुना। यहां तक कि वैश्विक शक्तियों के कब्जे, आक्रमण और निरंतर दबाव झेलने के बाद भी- और अपने कई पड़ोसियों पर सैन्य बढ़त होने के बावजूद- ईरान ने कभी युद्ध की शुरुआत नहीं की। यही कारण है कि ईरान को एक खतरे के रूप में प्रस्तुत करना न तो ऐतिहासिक वास्तविकता के अनुरूप है और न ही वर्तमान के तथ्यों के। ऐसी धारणा शक्तिशाली ताकतों की राजनीतिक और आर्थिक मनमानी का परिणाम है। उन्हें अपने दबावों को उचित ठहराने, सैन्य प्रभुत्व बनाए रखने, अपने हथियार उद्योग को कायम रखने और रणनीतिक बाजारों पर नियंत्रण के लिए एक दुश्मन गढ़ने की आवश्यकता होती है। अमेरिका ने ईरान के चारों ओर अपने सैनिकों, सैन्य ठिकानों और क्षमताओं का सबसे बड़ा जमावड़ा किया है। ऐसी परिस्थितियों का सामना कर रहा कोई भी देश अपनी रक्षा क्षमताओं को सुदृढ़ करने से परहेज नहीं करेगा। ईरान ने जो किया है- और करता रहा है- वह आत्मरक्षा पर आधारित एक संतुलित प्रतिक्रिया है, न कि किसी भी रूप में युद्ध या आक्रामकता की शुरुआत। ईरान और अमेरिका के संबंध प्रारंभ से शत्रुतापूर्ण नहीं थे। लेकिन निर्णायक मोड़ अमेरिका का वह हस्तक्षेप था, जिसका उद्देश्य ईरान के अपने संसाधनों के राष्ट्रीयकरण को रोकना था।

इसने ईरान की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बाधित किया और अमेरिकी नीतियों के प्रति ईरानियों में गहरा अविश्वास पैदा किया।यह अविश्वास आगे और गहराया- शाह के शासन के प्रति अमेरिका के समर्थन, 1980 के दशक के थोपे गए युद्ध में सद्दाम हुसैन के प्रति उसके समर्थन, आधुनिक इतिहास के सबसे लंबे और व्यापक प्रतिबंधों को थोपने और अंततः- जब बातचीत चल ही रही थी, तब उसके बीच- दो बार ईरान पर बिना किसी उकसावे के सैन्य आक्रामकता से।फिर भी, ईरान कमजोर नहीं पड़ा। इसके विपरीत, वह कई क्षेत्रों में और सशक्त हुआ है : साक्षरता दर लगभग 30फीसदी (इस्लामी क्रांति से पहले) से बढ़कर आज 90फीसदी से अधिक हो गई है; उच्च शिक्षा का व्यापक विस्तार हुआ है; आधुनिक टेक्नोलॉजी में महत्वपूर्ण प्रगति दर्ज की गई है; स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है; और बुनियादी ढांचे का विकास पहले की तुलना में कहीं अधिक तेजी और पैमाने पर हुआ है। प्रतिबंधों, युद्धों और आक्रामकता के ईरानी जनता के जीवन पर पड़ने वाले विनाशकारी और अमानवीय प्रभावों को कम करके नहीं आंका जाना चाहिए। सैन्य आक्रामकता की निरंतरता और हालिया बमबारी लोगों के जीवन, दृष्टिकोण और सोच पर गहरा असर डालती है। जब युद्ध जीवन, घरों, शहरों और भविष्य को अपूरणीय क्षति पहुंचाता है, तो लोग इसके लिए जिम्मेदार लोगों के प्रति उदासीन नहीं रह सकते।

इस युद्ध से अमेरिकी जनता के किन हितों की पूर्ति हो रही है? क्या ऐसे व्यवहार को उचित ठहराने के लिए ईरान से कोई वास्तविक खतरा मौजूद था? क्या निर्दोष बच्चों की हत्या, कैंसर-उपचार से संबंधित फार्मास्यूटिकल सुविधाओं का विनाश या किसी देश को पाषाण युग में वापस भेजने की शेखी बघारना- इन सबका कोई उद्देश्य है? ईरान ने वार्ताओं का मार्ग अपनाया, समझौते तक पहुंचा और सभी प्रतिबद्धताओं का पालन किया।

उस समझौते से हटने, टकराव की ओर बढ़ने और वार्ताओं के बीच आक्रामक कार्रवाइयां करने का निर्णय अमेरिकी सरकार द्वारा लिया गया। ईरान के जरूरी बुनियादी ढांचों पर हमला सीधे ईरानी जनता को निशाना बनाना है। यह न केवल एक युद्ध अपराध की श्रेणी में आता है, बल्कि इसके परिणाम ईरान की सीमाओं से कहीं आगे तक फैलते हैं।

क्या यह एक तथ्य नहीं है कि अमेरिका इस आक्रामकता में इजराइल के प्रतिनिधि के रूप में, उसके प्रभाव में शामिल हुआ है? और क्या यह भी सच नहीं है कि इजराइल, ईरान के खतरे का निर्माण करके फिलिस्तीनियों के विरुद्ध अपने कृत्यों से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है? आज दुनिया एक चौराहे पर है। टकराव के मार्ग पर बढ़ते रहना पहले से कहीं अधिक महंगा और बेकार है।

टकराव और सहभागिता के बीच क्या चुनें, इसका निर्णय आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को आकार देगा। क्या यह तथ्य नहीं है कि अमेरिका इस युद्ध में इजराइल के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुआ है?

क्या यह भी सच नहीं है कि इजराइल ऐसा करके फिलिस्तीनियों के विरुद्ध अपने कृत्यों से दुनिया का ध्यान हटाना चाहता है?(मसूद पेजेश्कियान)

लखनऊ अग्निकांड

2 मासूम जिंदा जले, 250 परिवार बेघर,राख में सामान तलाश रहे लोग

लखनऊ। बीते बुधवार को लखनऊ में लगी आग में 2 मासूम

जिंदा जल गए। झोपड़ियों में रहने वाले करीब 250 परिवार बेघर हो गए। डीसीपी दीक्षा शर्मा ने कहा- मासूमों के परिजनों की पहचान कराई जा रही है। घटनास्थल पर आज यानी गुरुवार सुबह सिर्फ राख और जल चुके गृहस्थी के सामान नजर आ रहे हैं। कई परिवार राख के बीच सामान तलाश रहे हैं। हालांकि, पुलिस वहां से लोगों को हटा रही है। डीएम ने कई प्रभावित परिवारों को रैन बसेरों में भिजवाया था तो कुछ परिवारों ने पास के खाली प्लॉट में रात बिताई। महिलाओं ने रोते हुए आरोप लगाया कि कोठीवालों ने उनके घरों में आग लगाई। उन्हें धमकाया गया था कि झोपड़ियां हटा लो, नहीं तो गोली मार दी जाएगी। जब वे नहीं हटे, तो उनकी झोपड़ियों में आग लगा दी गई। अब वे कहां जाएं? जिंदगीभर की कमाई राख हो गई। अगर समय पर फायर ब्रिगेड की टीम पहुंच जाती, तो कुछ सामान बच सकता था। फिलहाल, विकासनगर इलाके में बवाल की आशंका को देखते हुए सुबह फोर्स बढ़ा दी गई है। पुलिस के जवान हेलमेट और डंडों के साथ तैनात हैं। राजधानी के पॉश इलाकों में से एक विकासनगर में बुधवार शाम करीब 5.30 बजे लगी आग में 30 से ज्यादा सिलेंडर फटे। आग की चपेट में आकर 250 से अधिक झोपड़ियां जलकर राख हो गईं। करीब 10 किमी. दूर तक धुएं का गुबार दिखाई दिया। आग लगने के बाद एहतियातन आसपास के 20 मकानों को खाली कराया गया। फायर ब्रिगेड की 20 गाड़ियों ने करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस दौरान इलाके की बिजली काट दी गई। लखनऊ से सांसद और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीएम विशाख जी. को फोन कर घटना की जानकारी ली। वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया।

यूपी में सीजन में पहली बार पारा 44से.पार,चिड़ियाघर में शेर-हिरन पर फुहारें डाल रहे

गैंडो के लिए कीचड़ का तालाब बनाया

लखनऊ। यूपी में भीषण गर्मी पड़ने लगी है। बुधवार को सीजन में पहली बार अधिकतम तापमान

44से. के पार पहुंच गया। यही नहीं, 16 जिलों में पारा 40 डिग्री या उससे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। बढ़ती गर्मी का असर अब चिड़ियाघर के जानवरों पर भी दिखने लगा है। तपिश से राहत दिलाने के लिए कानपुर में गैंडे के लिए कीचड़ का तालाब बनाया गया है। हिरन-शेरों पर लिए पानी की फुहारें डाली जा रही हैं। विशेषज्ञ डॉ. नासिर ने बताया कि गैंडा कीचड़ में लोटकर खुद को ठंडा रखता है। गीली मिट्टी उसके शरीर पर चिपक जाती है, जिससे गैंडों को गर्मी से राहत मिलती है। पिछले 24 घंटे की बात करें तो बांदा सबसे गर्म रहा, जहां दिन का तापमान 44.8से. रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा प्रयागराज में पारा 43से., वाराणसी में 42.8से. झांसी 41.4से.और सुल्तानपुर 41.3से. में पारा रिकॉर्ड किया गया। दिन में गर्म हवाएं लू का एहसास करा रही हैं। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-'अगले 10 दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। पछुआ (पश्चिमी) हवा अब कमजोर पड़ रही है। इससे अगले 4-5 दिनों में पारा 3 से 6से. तक उछलेगा। आने वाले दिनों में अधिकांश जिलों में तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाएगा। गर्मी का असर और तेज होगा। लू चलने की भी संभावना है।' शहरों का हाल जान लीजिए- 'लखनऊः राजधानी में सुबह से मौसम साफ है। तेज धूप खिली है। चिलचिलाती धूप की वजह से हवा लू का एहसास करा रही है। दिन चढ़ने के साथ धूप और तीखी हो रही है। अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास बना हुआ है। काशीः पूर्वांचल समेत जिलों में गर्मी ने अप्रैल में ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। तेज धूप और गर्म हवाओं से लोग परेशान हैं। मई और जून में पड़ने वाली भीषण गर्मी इस बार समय से पहले ही महसूस की जा रही है।प्रयागराजः मौसम साफ है। सुबह से चिलचिलाती धूप ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा। गर्मी की वजह से सड़कों पर सन्नाटा दिखाई दे रहा है। आगराः सुबह से ही तेज धूप के साथ गर्मी का एहसास हो रहा है। दिन की शुरुआत के साथ ही तापमान बढ़ने लगा है। गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। न्यूनतम तापमान करीब 27 से 28से. के आसपास बने रहने का अनुमान है।मेरठः सुबह से ही साफ मौसम के साथ तेज धूप खिली है। अधिकतम तापमान 41 और न्यूनतम 23 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। दिन भर तेज धूप खिली रहेगी। उमस से परेशानी हो सकती है। वर्षा की कोई संभावना नहीं है।

वापस से बढ़ा विंटेज वॉच का ट्रेंड,खरीदारी 44फीसदी बढ़ी,ग्लोबल सेकेंड-हैंड घड़ी बाजार 27 लाख करोड़ का हुआ

लंदन। ब्रिटेन के जेन-जी युवा इवान फ्राई का जन्म तब हुआ, जब लोग जेब में नोकिया 1100 फोन

रखते थे। उस समय मोबाइल भी स्क्रीन पर समय दिखाने लगे थे। लोगों को चिंता थी कि कहीं मोबाइल पारंपरिक कलाई घड़ियों की जगह न ले लें। पूरी जिंदगी फ्राई ने आईफोन, लैपटॉप, टीवी और यहां तक कि बाथरूम के शीशों पर भी समय देखा। इसके बावजूद उन्होंने 50 साल पुरानी 35 से ज्यादा विंटेज घड़ियां इकट्ठा कीं। इनकी कीमत 90 हजार से 3 लाख रुपए तक है। फ्राई के पास सबसे कीमती घड़ी टैग ह्यूअर कैरेरा है, जिसे उन्होंने लगभग 3 लाख रुपए में खरीदा है। फ्राई का सपना 'एच मौसेर' की घड़ी पहनने का है, जिसकी कीमत 50 लाख रुपए है। केवल फ्राई ही नहीं ज्यादातर जेनी-जी (29 साल तक के युवा) में विंटेज घड़ियों का क्रेज बढ़ा है। पुरानी लग्जरी घड़ियां बेचने वाली कंपनी बेजल के मुताबिक, जेन जी ग्राहक कंपनी की लगभग एक-तिहाई घड़ियां खरीदते हैं। कंपनी के सीईओ क्वैड वॉकर बताते हैं 'अब घड़ी कंपनियां युवाओं पर फोकस कर रही हैं। आज जेन-जी ग्राहक ही घड़ी खरीदने पर सबसे ज्यादा पैसा खर्च कर रहे हैं।' क्रोनो-24 की रिपोर्ट के मुताबिक, सेकेंडरी (विंटेज /प्री-ओन्ड) वॉच मार्केट में जेन-जी की हिस्सेदारी बढ़ी है। 2018 के बाद जेन-जी के बीच ड्रेस/विंटेज स्टाइल घड़ियों की खरीदारी 44फीसदी बढ़ी है। ग्लोबल विंटेज/सेकेंड-हैंड घड़ियों का बाजार 26-27 लाख करोड़ रुपए का है। यह बाजार सालाना लगभग 9फीसदी बढ़ रहा है और 2030 तक 42 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। ऑनलाइन विंटेज घड़ी बेचने वाली दाहयन ली बताती हैं कि उनके इंस्टाग्राम पर 10,000 फॉलोअर्स हैं। इनमें 45फीसदी से ज्यादा जेन-जी हैं। वे कहती है, 'ये लोग डिजिटल माहौल में पले-बढ़े हैं, लिहाजा उनके अंदर पुरानी चीजों की चाहत ज्यादा है।' बदला ट्रेंड, घड़ियों में जेंडर की दीवार टूटी दाहयन कहती हैं कि कई पुरुष ग्राहक छोटी और महिलाओं की घड़ियों के शौकीन हैं। मैंने पुरुषों को भी ऐसी कई घड़ियां बेची हैं, जिन्हें आमतौर पर महिलाओं की घड़ी माना जाता है। वे कहती है 'कुछ लड़कियां भी पुरुषों की घड़ियां पसंद करती हैं।' फ्राई के पास ऐसी कई घड़ियां हैं, जो महिलाओं के लिए डिजाइन हुई थीं।

कॉमेडियन को पुलिस ने प्रयागराज से उठाया,पवन कल्याण की 3 शादियों का मजाक उड़ाया

प्रयागराज। साउथ के स्टैंडअप कॉमेडियन अनुदीप

कटिकला को प्रयागराज से गिरफ्तार किया गया है। आंध्र प्रदेश की पुलिस मंगलवार को प्रयागराज पहुंची और अनुदीप को उठा ले गई। अनुदीप अपने परिवार से मिलने आए थे। परिजनों के मुताबिक, पुलिस उन्हें ट्रेन से आंध्र प्रदेश के काकीनाडा ले गई है।अनुदीप पर आरोप है कि उन्होंने अपने एक स्टैंड-अप वीडियो में एक्टर पवन कल्याण की तीन शादियों का मजाक उड़ाया। तेलुगु एक्ट्रेस और पवन कल्याण की भतीजी निहारिका कोनिडेला पर भी कमेंट किया। निहारिका का 2023 में तलाक हो चुका है। अनुदीप ने मजाक में कहा था कि ऐसे मामलों में वह अपने चाचा (पवन कल्याण) से सलाह ले सकती हैं। पवन कल्याण वर्तमान में आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हैं। इस टिप्पणी के बाद उनकी पार्टी जन सेना के समर्थकों ने आपत्ति जताई। मामले में 11 अप्रैल को काकीनाडा टाउन पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई थी। पवन कल्याण का विधानसभा क्षेत्र पीठापुरम भी काकीनाडा जिले में ही आता है। विवाद उस मजाक से शुरू हुआ, जिसमें अनुदीप कटिकला ने एक्ट्रेस निहारिका कोनिडेला का जिक्र किया। आरोप है कि अनुदीप ने निहारिका के तलाक का जिक्र कर महिलाओं के नाम घसीटे और अशोभनीय टिप्पणी की। इसके बाद उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में कहा गया कि अनुदीप ने अपने वीडियो के जरिए पवन कल्याण और उनके परिवार की छवि को नुकसान पहुंचाया। उन पर व्यंग्य और कथित अश्लील भाषा के इस्तेमाल का भी आरोप हैं। साथ ही सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाकर शांति व्यवस्था बिगाड़ने और वैमनस्य फैलाने की बात कही गई है। वीडियो सामने आने के बाद अनुदीप को जन सेना समर्थकों की ओर से ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा। उन्हें धमकियां भी मिलने लगीं।

पूरे दक्षिण भारत से 5फीसदी ज्यादा सांसद यूपी-बिहार में,लोकसभा सीटें 850 होने से इतना बेचैन क्यों है विपक्ष

नयी दिल्ली। 1952 में जब देश में पहली बार लोकसभा चुनाव हुए, तब संसद में 489 सीटें थीं और आबादी थी करीब 36 करोड़। आज आबादी 140 करोड़ पार कर चुकी है, लेकिन पिछले 50 साल से सीटें 543 पर जमी हैं। अब सरकार ने 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया है और एक साथ तीन बड़े काम करने की तैयारी में है- लोकसभा सीटें बढ़ाकर 850 करना, देश का नया चुनावी नक्शा खींचना, यानी परिसीमन और 2023 में पास हुए महिला आरक्षण कानून को असल में लागू करना। लेकिन यह इतना सीधा नहीं है। दक्षिण के राज्यों को डर है कि उनकी सीटें घटेंगी। विपक्ष पूछ रहा है कि बंगाल चुनाव से ठीक पहले इतनी हड़बड़ी क्यों और सबसे बड़ा सवाल- महिला आरक्षण असल में लागू कब से होगा? केंद्र सरकार ने 19 सितंबर 2023 को संविधान (128वां संशोधन) विधेयक पेश किया था। इसके तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में एक-तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित करने का प्रावधान था।20 सितंबर को

लोकसभा, 21 सितंबर को राज्यसभा और 28 सितंबर 2023 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मंजूरी के बाद यह बिल कानून बन गया। लेकिन लागू नहीं हो सका। क्यों? क्योंकि उस कानून में शर्त थी कि आरक्षण नई जनगणना और उसके बाद होने वाले परिसीमन के बाद ही लागू होगा। नई जनगणना का डेटा आने में करीब दो साल और लग सकते हैं। यानी परिसीमन 2034 के चुनाव तक टल सकता था। इसी को बदलने के लिए सरकार ने 16 से 18 अप्रैल के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाया है और तीन नए बिल ला रही है- संविधान (131वां संशोधन) विधेयक, 2026 परिसीमन विधेयक, 2026 केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 इन बिलों के तीन मकसद हैं- पहलाः 2027 की जनगणना का इंतजार न करके 2011 की जनगणना के आधार पर ही परिसीमन और महिला आरक्षण लागू किया जाए, ताकि 2029 के चुनाव से यह शुरू हो सके। दूसराः आर्टिकल 81(1) में संशोधन, जो अभी संसद में अधिकतम 550 सीटों की सीमा तय करता है। लोकसभा की सीटें बढ़ाकर 850 करने के लिए यह बदलाव जरूरी है। इसमें राज्यों के लिए 815 और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 35 सीटें होंगी। तीसराः आर्टिकल 82 को हटाना। यह आर्टिकल हर जनगणना के बाद परिसीमन को अनिवार्य बनाता है। सरकार इसे हटाकर परिसीमन को अपनी जरूरत और समय के हिसाब से लचीला बनाना चाहती है।

मोहसिना किदवई और आशा भोसले को संसद के विशेष सत्र में दी गई श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली। राज्यसभा में बृहस्पतिवार को दो दिग्गजों को

श्रद्धांजलि दी गई। सदन की बैठक शुरू होने पर राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने मोहसिना किदवई और आशा भोसले के निधन का जिक्र किया। सभापति ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में एक जनवरी 1932 को पैदा हुईं मोहसिना किदवई कम उम्र से ही राजनीति में सक्रिय रहीं। उनका आठ अप्रैल को 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। मोहसिना किदवई की राजनीतिक सफर को किया याद-उन्होंने बताया कि किदवई ने 2004 से 2010 तक और 2010 से 2016 तक राज्यसभा में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व किया था। उनका विशिष्ट राजनीतिक करियर छह दशक से अधिक लंबा रहा। किदवई को चार अलग-अलग विधायी सदनों - उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद तथा संसद के दोनों सदनों की सदस्य बनने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के साथ ही केंद्र में मंत्री के रूप में कार्य किया। किदवई ने कमजोर तबके के कल्याण के लिए भी काम किया।उपराष्ट्रपति राधाकृष्ण ने भारतीय फिल्म संगीत में उत्कृष्ट योगदान देने वाली पार्श्व गायिका आशा भोसले के निधन का जिक्र करते हुए कहा कि वह देश की सबसे बहुमुखी प्रतिभासंपन्न और लोकप्रिय आवाजों में से एक थीं। आशा भोसले का गत 12 अप्रैल को मुंबई में निधन हो गया। वह 92 वर्ष की थीं। आठ सितंबर, 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में जन्मीं आशा भोसले ने संगीत और सिनेमा जगत में अपना एक अनूठा मुकाम हासिल किया। सभापति ने कहा कि आठ दशक से अधिक लंबे अपने करियर में, आशा भोसले ने कई भारतीय भाषाओं में हजारों गीतों को अपनी मधुर आवाज दी और भारतीय संगीत के परिदृश्य पर एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए, उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें पद्म विभूषण, दादासाहेब फाल्के पुरस्कार और राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार शामिल हैं। इसके अलावा उन्हें कई राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी प्राप्त हुए।उन्होंने कहा कि पार्श्च गायिका आशा भोसले के निधन से देश ने एक महान आवाज, एक अद्वितीय कलाकार और एक सांस्कृतिक प्रतीक को खो दिया है, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। सदन में सदस्यों ने कुछ पल मौन रखकर मोहसिना किदवई और आशा भोसले को श्रद्धांजलि दी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर अकासा एयर और स्पाइसजेट के विमान टकराए,पार्किंग एरिया में हुआ हादसा,यात्री सुरक्षित

नयी दिल्ली। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर

स्पाइसजेट और अकासा एयर के विमान आपस में टकरा गए। घटना गुरुवार दोपहर 2 बजे हुई।जानकारी के मुताबिक अकासा का विमान हैदराबाद जाने के लिए तैयार खड़ा था। उसी समय लेह से आया स्पाइसजेट का विमान उससे टकरा गया। हादसे में स्पाइसजेट के दाहिने पंख का हिस्सा अकासा के बाएं तरफ के पिछले पंख में जा घुसा। घटना के बाद एयरपोर्ट स्टाफ ने दोनों प्लेन में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से उतार लिया। हादसे में किसी यात्री को चोट नहीं लगी। घटना के बाद स्पाइसजेट और अकासा के प्लेन दिल्ली में ही ग्राउंड कर दिए गए हैं, यानी इन्हें अगली उड़ाने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। घटना की जांच की जा रही है।अकासा एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया कि अकासा एयर की दिल्ली से हैदराबाद जा रही फ्लाइट क्यूपी 1406 को 16 अप्रैल 2026 को वापस बे (पार्किंग एरिया) में लौटना पड़ा। ग्राउंड टीम यात्रियों को जल्द से जल्द हैदराबाद भेजने के लिए ऑप्शनल इंतजाम कर रही है।

महिला आरक्षण पर लोकसभा में प्रियंका गांधी ने सत्ता पक्ष की ली चुटकी तो लगे ठहाके

नयी दिल्ली। लोकसभा में महिलाओं के आरक्षण और परिसीमन पर गुरुवार को

लोकसभा में बोलते हुए कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने गृह मंत्री अमित शाह पर तंज कसा। प्रियंका गांधी ने कहा कि इस बिल के जरिये सरकार ओबीसी वर्ग का हक छीनना चाहती है। गृह मंत्री ने इसकी पूरी योजना बना रखी है।प्रियंका गांधी ने अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा कि गृह मंत्री जी, चाणक्य आज जिंदा होते तो वो भी चौंक जाते आपकी राजनीतिक कुटिलता से। प्रियंका गांधी ने कहा कि गृह मंत्री जी हंस रहे हैं। वो भी हमारी से सहमत हैं।वहीं प्रियंका गांधी के तंज पर गृह मंत्री अमित शाह ठहाके लगाकर हंस पड़े। वायनाड की सांसद ने कहा कि जहां कांग्रेस महिला सांसदों के लिए आरक्षण का समर्थन करती है, वहीं बहस इस बात पर नहीं है, बल्कि इस बात पर है कि इस बिल में राजनीति की बू आ रही है। चुनावी फायदे के लिए लाया जा रहा बिलः प्रियंका गांधी-अपने संबोधन के दौरान एक हल्के-फुल्के अंदाज में प्रियंका गांधी ने कहा कि महिलाओं के लिए कोटा का यह कदम असल में एनडीए शासित केंद्र सरकार का चुनावी फायदा बनाए रखने के लिए एक राजनीतिक 'ट्रम्प कार्ड' है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले के संबोधन का जिक्र करते हुए जिसमें उन्होंने बताया था कि कैसे बीजेपी हमेशा से महिलाओं के अधिकारों की पैरोकार रही है - उन्होंने कहा कि भारत के संविधान को नुकसान पहुंचाकर, बीजेपी अपनी पार्टी की नींव मजबूत कर रही है। प्रियंका गांधी ने चुटीले अंदाज में जवाब दिया-अमित शाह और बीजेपी के कई अन्य सांसदों को अपने बयान पर हंसते हुए देखकर, प्रियंका गांधी ने चुटीले अंदाज में जवाब दिया, 'आप सब पूरी योजना बनाकर आए हैं। आज अगर चाणक्य जिंदा हो होते, तो वो आपकी कुटिलता देखकर हैरान रह जाते।' इस टिप्पणी पर अमित शाह, किरण रिजिजू और बीजेपी के अन्य सांसद ज़ोर-ज़ोर से हंस पड़े।

अवनीत कौर ने प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ीःएक्ट्रेस ने कहा- उम्र के साथ लुक में नैचुरल बदलाव हुआ है

मुंबई। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने हाल ही में उनके लुक्स को लेकर और अब की फोटो की तुलना करने की सलाह दी-हाल ही में नाक, आंखें और बाकी फीचर्स पहले जैसे ही हैं। उन्होंने अपने ब्यूटी

चल रही प्लास्टिक सर्जरी और बोटॉक्स की अफवाहों पर रिएक्ट किया। उन्होंने साफ किया कि उनके लुक में बदलाव उम्र के साथ नैचुरली हुआ है। गौरतलब है कि अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी फोटो शेयर करती रहती हैं। समय के साथ उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा बोटॉक्स या प्लास्टिक सर्जरी कराने के दावे किए जाते हैं। बचपन पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में अवनीत ने इन दावों को लेकर कहा कि वह ऐसे कमेंट्स पर ध्यान नहीं देतीं, लेकिन अगर लोग ऐसा सोच रहे हैं तो उन्हें अपने बचपन और वर्तमान की तस्वीरों की तुलना करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे इंसान बड़ा होता है, उसके फीचर्स में बदलाव आना एक नार्मल प्रोसेस है। उन्होंने कहा कि हर कोई उम्र के साथ बदलता है और यह पूरी तरह नेचुरल है। एक्ट्रेस ने यह भी कहा कि उनकी मोल (तिल) का जिक्र करते हुए कहा कि वह आज भी वैसा ही है। अवनीत ने अपनी ब्यूटी का श्रेय अपनी मां को दिया और कहा कि जो भी है, वह उन्हें नेचुरली मिला है। वर्क फ्रंट की बात करें तो अवनीत आखिरी बार शांतनु माहेश्वरी के साथ फिल्म लव इन वियतनाम में नजर आई थीं। राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसमें अवनीत ने सिमी की भूमिका निभाई थी।

सैयारा की जोड़ी फिर साथ दिखेगी-अहान पांडे-अनीत पड्डा की अगली रोमांटिक फिल्म 2027 में होगी रिलीज

मुंबई। यश राज फिल्म्स की हिट फिल्म 'सैयारा' की टीम एक अनीत पड्डा की जोड़ी 'सैयारा' के बाद से ही काफी पॉपुलर हो गई मुश्किल हो, तो वही कहानी कहने का असली मजा है। 'सैयारा' की

बार फिर साथ आ गई है। निर्देशक मोहित सूरी, अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक नई इंटेंस रोमांटिक फिल्म में फिर साथ दिखेगी। 'सैयारा' की रिकॉर्ड तोड़ कमाई के बाद इस नई फिल्म से भी दर्शकों को वैसी ही केमिस्ट्री और हिट म्यूजिक की उम्मीद है। यह भी फिल्म यश राज फिल्म्स के बैनर तले बनाई जाएगी। मेकर्स इसे 2027 में दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अहान और अनीत की जोड़ी फिर साथ दिखेगी अहान पांडे और है। मेकर्स का मानना है कि इस नई फिल्म में भी दर्शकों को उनकी वही आकर्षक केमिस्ट्री और सहज अभिनय देखने को मिलेगा। फिल्म की कहानी एक इमोशनल और यादगार सफर की तरह होगी, जिसमें म्यूजिक का बड़ा रोल होगा। मोहित सूरी बोले- यह घर वापसी जैसा है इस फिल्म को लेकर निर्देशक मोहित सूरी काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए लव स्टोरीज हमेशा से खास रही हैं। जब भावनाएं इतनी गहरी हो जाएं कि उन्हें नजरअंदाज करना टीम के साथ फिर से काम करना घर वापसी जैसा है। मैं खुद को एक नए कलाकार की तरह महसूस कर रहा हूं, उम्मीद है कि इस बार भी मेरा संगीत लोगों के दिलों को छुएगा। 'सैयारा' ने बनाए थे कमाई के कई रिकॉर्ड भारतीय सिनेमा के इतिहास में 'सैयारा' सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव स्टोरीज में से एक बनकर उभरी। पूरी तरह से नए कलाकारों के साथ बनी इस फिल्म ने भारत में 338 करोड़ रुपए (नेट) और दुनिया भर में करीब 580 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन किया।

फिल्म एक दिन का ट्रेलर रिलीज

साई पल्लवी-जुनैद खान के बीच दिखी इमोशनल केमिस्ट्री

मुंबई। आमिर खान प्रोडक्शन्स की फिल्म एक दिन का दूसरा ट्रेलर ग्लोबल एमनेशिया हो जाता है। इस स्थिति में उन्हें सिर्फ जुनैद याद फिर भी वह हर पल को पूरी शिद्दत से जीता है। यही इमोशनल डेप्थ

गुरुवार को रिलीज हुआ। फिल्म में साई पल्लवी और जुनैद खान लीड रोल में हैं।इस ट्रेलर में एक लव स्टोरी दिखाई गई है, जिसमें जुनैद एक शर्मीले युवक के किरदार में हैं, जो साई पल्लवी के किरदार से प्यार करते हैं। दोनों एक ही ऑफिस में काम करते हैं, लेकिन वह उनसे बात नहीं कर पाते। कहानी में मोड़ तब आता है जब दोनों ऑफिस ट्रिप के लिए जापान जाते हैं। वहां साई का एक्सीडेंट हो जाता है और उसे ट्रांजिएंट रहते हैं, जिन्होंने उनकी जान बचाई थी। जापान में दोनों को साथ समय बिताने का मौका मिलता है। लड़का जानता है कि मीरा अगले दिन सब भूल जाएगी, फिर भी वह उस एक दिन को खास बना देता है। फिल्म 'एक दिन' के ट्रेलर में साई पल्लवी और जुनैद खान की केमिस्ट्री बेहद इमोशनल दिखाई गई है। दोनों की केमिस्ट्री की खास बात यह है कि इसमें अधूरापन और दर्द दोनों हैं। जुनैद का किरदार जानता है कि यह रिश्ता हर दिन नया शुरू होगा, कहानी को खास बना रही है। यह फिल्म 1 मई, 2026 को थिएटर में रिलीज होगी। 'एक दिन' को सुनील पांडे ने डायरेक्ट किया है और आमिर खान, मंसूर खान और अपर्णा पुरोहित ने प्रोड्यूस किया है। इस फिल्म में आमिर खान और मंसूर खान लंबे समय के बाद साथ आ रहे हैं। इससे पहले, वे 'कयामत से कयामत तक', 'जो जीता वही सिकंदर', 'अकेले हम अकेले तुम' और 'जाने तू... या जाने ना' जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं।

धुरंधर-2 में एसपी असलम को मारने वाले हिरव की कहानी,पाकिस्तान से आ रहे ड्राइविंग सिखाने के मैसेज

मुंबई। भारतीय सिनेमा में 3,000 करोड़ रुपए की कमाई का रिकॉर्ड बनाने वाली फ्रेंचाइजी 'धुरंधर' में एक चेहरा इन दिनों खूब चर्चा में है। धुरंधर 2 में एसपी असलम चौधरी को मारने वाला यह किरदार हिरव मेहता ने निभाया है। फिल्म में बिना एक भी डायलॉग बोले हिरव ने अपनी ड्राइविंग और हाव-भाव से दर्शकों का दिल जीत लिया है। फिल्म में हिरव का कार से संजय दत्त (एसपी असलम चौधरी) को मारना कहानी का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट माना जा रहा है। दिव्य बताते हैं की- उन्हें यह रोल एक कॉल के जरिए मिला। उन्होंने मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा के ऑफिस में अपना परिचय और प्रोफाइल दिया था। वहां से डेटा निकालकर उन्हें ऑनलाइन ऑडिशन और लुक टेस्ट के लिए बुलाया गया। हिरव ने बताया कि जब उन्हें पता चला कि फिल्म में रणवीर सिंह, संजय दत्त और अक्षय खन्ना जैसे बड़े सितारे हैं, तो वे दंग रह गए। उन्हें लगा कि यह उनके करियर का सबसे बड़ा मौका है। फिल्म की शूटिंग अगस्त 2025 में लेह-लद्दाख से शुरू हुई थी। हिरव ने बताया कि अक्षय खन्ना का वायरल वॉक वाला सीन लद्दाख में ही शूट हुआ था। उनके खुद के ड्राइविंग वाले सीन की शूटिंग चंडीगढ़ में हुई, जबकि चेहरे के क्लोज-अप शॉट्स आधे चंडीगढ़ और आधे मुंबई की गोरेगांव फिल्म सिटी में शूट किए गए। हिरव के मुताबिक, संजय दत्त जैसे दिग्गज को पर्दे पर मारने का सीन शूट करना डरावना और सुखद, दोनों तरह

का अनुभव था। शूटिंग के दौरान रणवीर सिंह के साथ अपने अनुभव को साझा करते हुए हिरव ने बताया कि रणवीर सबको बराबरी का सम्मान देते हैं। हिरव ने कहा, जब मेरा क्लोज-अप सीन था, तब रणवीर ने कैमरे के पीछे से चिल्लाकर मेरा उत्साह बढ़ाया और कहा चलो हिरव, करते हैं। एक सुपरस्टार को मेरा नाम याद था, यह मेरे लिए बड़ी बात थी।' उन्होंने बताया कि अक्षय खन्ना अपने काम में डूबे रहते हैं, वहीं संजय दत्त दिखने में गंभीर हैं लेकिन बात करने में बहुत विनम्र हैं। हिरव के ड्राइविंग सीन और एक्टिंग की तारीफ सीमा पार पाकिस्तान में भी हो रही है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें 'फेवरेट ड्राइवर' बता रहे हैं। हिरव ने बताया कि उन्हें पाकिस्तान से कई मैसेज मिल रहे हैं, जिनमें लोग कह रहे हैं 'हमें भी ड्राइविंग सिखा दो।' हालांकि, फिल्म को लेकर उठ रहे प्रोपेगेंडा के सवालों पर हिरव का कहना है कि यह फिल्म किसी देश के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ है और इसमें कुछ भी गलत नहीं दिखाया गया है। हिरव का फिल्मी सफर काफी दिलचस्प रहा है। उन्होंने फाइनेंस में एमबीए किया है और शेयर बाजार में भी काम किया है। बाल कलाकार के रूप में बूस्टर के विज्ञापन से शुरुआत करने वाले हिरव ने फिटनेस की दुनिया में भी नाम कमाया है। वे 'मसल मेहता' नाम से इंस्टाग्राम पेज चलाते हैं, जहां वे लोगों को ऑनलाइन ट्रेनिंग देते हैं। फिल्म की सफलता के बाद 15 दिनों में उनके फॉलोअर्स 29 हजार से बढ़कर 1 लाख हो गए हैं। हिरव को अब कुछ और बड़ी फिल्मों के ऑफर भी मिल रहे हैं।

टाइम मैगजीन-100 सूची में सुंदर पिचाई, रणबीर कपूर, विकास खन्ना शामिल-दुनिया के सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट

नयी दिल्ली। दुनिया की प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने बुधवार की टाइम100 सूची में शामिल होना मेरे लिए बेहद गर्व की बात है। खन्ना

को 2026 की टाइम 100 सूची जारी की, जिसमें भारत से जुड़ी कई प्रमुख हस्तियों को शामिल किया गया। इस साल सुंदर पिचाई, रणबीर कपूर और शेफ विकास खन्ना को वैश्विक प्रभाव के लिए सम्मानित किया गया। हर साल जारी होने वाली यह सूची मनोरंजन, तकनीक, वित्त, खेल, एक्टिवज्म और अकादमिक क्षेत्रों के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की सूची होती है। टाइम मैगजीन की टाइम 100 सूची में पहले शाहरुख खान, सचिन तेंदुलकर, नरेंद्र मोदी, दीपिका पादुकोण और महात्मा गांधी भी शामिल हो चुके हैं। मशहूर शेफ विकास खन्ना ने इसे गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा कहा कि 2026 ने इस सम्मान का श्रेय अपने परिवार को दिया। उन्होंने कहा कि उनकी दादी, मां और बहन के त्याग, आशीर्वाद और मार्गदर्शन से वे इस मुकाम तक पहुंच सके हैं। टाइम100 2026 की इस सूची में राल्फ लॉरेन, केट हडसन, ईथन हॉक, मार्क केली और हिलारी नाइट जैसे वैश्विक दिग्गजों को उनके क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान के लिए शामिल किया गया है। टाइम मैगजीन की 2025 की 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी में किसी भी भारतीय को शामिल नहीं किया गया था। तब 21 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ था, जब लिस्ट में कोई भारतीय नहीं था।

सेलेब्स के बॉडीगाड्र्स की सालाना कमाई करोड़ों में नहीं होती,शाहरुख खान के पूर्व बॉडीगार्ड ने सोशल मीडिया पर बताया सच

मुंबई। एक्टर शाहरुख खान के पूर्व बॉडीगार्ड यासीन खान ने हाल ही में बताया कि सेलेब्स के लगा कि फिल्म के दौरान बॉडीगार्ड भी काम करते हैं, इसलिए उन्हें भी पेमेंट मिलनी चाहिए। इसके बाद

बॉडीगाड्र्स की दो से ढाई करोड़ रुपए सालाना सैलरी के दावे गलत हैं। यासीन खान ने हिंदी रश को दिए इंटरव्यू में कहा कि सोशल मीडिया पर बॉडीगाड्र्स की कमाई को लेकर जो आंकड़े बताए जाते हैं, वे बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए जाते हैं। उन्होंने बताया कि किसी भी बड़े स्टार के साथ काम करने वाले बॉडीगार्ड की एक फिक्स सैलरी होती है। इसके अलावा फिल्मों या विज्ञापनों के दौरान अलग से कॉन्ट्रैक्ट के जरिए कुछ अतिरिक्त पैसा मिल सकता है, लेकिन यह रकम उतनी बड़ी नहीं होती जितनी अक्सर बताई जाती है।यासीन ने बताया कि पहले फिल्म इंडस्ट्री में बॉडीगाड्र्स को फिल्मों से अलग से कोई पैसा नहीं मिलता था। उस समय सिर्फ ड्राइवर, मेकअप आर्टिस्ट और पर्सनल असिस्टेंट को ही प्रोड्यूसर की तरफ से पेमेंट की जाती थी। उन्होंने बताया कि जब उन्होंने शाहरुख खान के साथ काम करना शुरू किया, तब उन्हें उन्होंने प्रोड्यूसर्स से बात की और धीरे-धीरे उन्हें फिल्मों और विज्ञापनों के लिए अलग से पैसे मिलने लगे। उनकी इस पहल के बाद इंडस्ट्री में एक नया ट्रेंड शुरू हुआ। दूसरे बॉडीगाड्र्स ने भी प्रोडक्शन हाउस से एक्स्ट्रा पेमेंट की मांग करनी शुरू कर दी और यह धीरे-धीरे प्रचलन में आ गया। हालांकि, यासीन ने साफ कहा कि सालाना दो से ढाई करोड़ रुपए कमाने जैसी बातें सही नहीं हैं। उनके अनुसार, इतनी ज्यादा सैलरी मिलना संभव नहीं है। अगर किसी बॉडीगार्ड को ज्यादा पैसा मिलता भी है, तो वह किसी खास व्यक्तिगत समझ या स्टार की तरफ से दी गई मदद हो सकती है, न कि रेगुलर सैलरी। यासीन के अनुसार, इस फील्ड में अनुभवी सिक्योरिटी स्टाफ को भी आमतौर पर करीब 1 लाख रुपए प्रति महीने तक की सैलरी मिलती है, जो इंटरनेट पर बताए जा रहे 10 लाख रुपए प्रति महीने के दावों से काफी कम है।

गर्मियां आ गयी हैं तरल का सेवन अधिक करें, शरीर में न हो पानी की कमी पर महिलाएं यूरिन रोकने की न करें गलती पड़ सकता हैं भारी

जयपुर। अक्सर महिलाएं काम की व्यस्तता, ट्रैफिक या गंदे पब्लिक टॉयलेट के डर से यूरिन लंबे समय तक रोककर रखती हैं। बार-बार ऐसा करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है। लंबे समय तक यूरिन रोकने से ब्लैडर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है, उसकी कार्यक्षमता प्रभावित होती है और यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इससे मसल्स कमजोर होने और किडनी से जुड़ी समस्याएं भी हो सकती हैं। ऐसे में महिलाओं के लिए सही टॉयलेट हाइजीन अपनाना जरूरी है। इसलिए जरूरत की खबर में जानेंगे कि-यूरिन रोकने से ब्लैडर को क्या नुकसान होता है? इससे कौन से हेल्थ रिस्क हो सकते हैं? कितनी देर तक यूरिन रोककर रखना सेफ है? विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से एक्सपर्टः डॉ. मानिनी पटेल, सीनियर कंसल्टेंट, आब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, जयपुर जी के साथ। सवाल- जब कोई महिला बहुत देर तक यूरिन को होल्ड करके रखती है तो इससे शरीर में क्या होता है? जवाब- लंबे समय तक यूरिन रोकने से ब्लैडर पर ज्यादा प्रेशर पड़ता है। इससे कई तरह की हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। जैसेकि- ब्लैडर की मांसपेशियां कमजोर या ओवरस्ट्रेच हो सकती हैं। यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का जोखिम बढ़ता है। पेट के निचले हिस्से में दर्द और बार-बार पेशाब आने की समस्या हो सकती है। सवाल- ज्यादा देर तक यूरिन होल्ड करने से ब्लैडर को क्या नुकसान होता है? जवाब- ब्लैडर ज्यादा देर तक भरा रहने से

उसकी मांसपेशियों और अंदरूनी लेयर पर लगातार दबाव पड़ता है। इससे संक्रमण व अन्य कॉम्प्लिकेशन का जोखिम बढ़ता है। 1. यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन -यूरिन ब्लैडर में ज्यादा देर तक रुकने से बैक्टीरिया बढ़ने लगते हैं। इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। 2. ब्लैडर पर दबाव- ब्लैडर बार-बार ओवर-स्ट्रेच होने से उसकी मसल्स कमजोर हो सकती हैं। आगे चलकर यूरिन कंट्रोल करने में दिक्कत या 'लीकेज' की प्रॉब्लम हो सकती है। 3. किडनी पर असर-ज्यादा देर तक पेशाब रोकने से प्रेशर ऊपर की ओर बढ़ सकता है। इससे किडनी इंफेक्शन का रिस्क बढ़ता है। लंबे समय में यह किडनी फंक्शन पर असर डाल सकता है। 4. ब्लैडर स्टोन (पथरी) यूरिन लंबे समय तक जमा रहने से मिनरल्स क्रिस्टल बनते हैं, जो स्टोन का रिस्क बढ़ा सकते हैं। इससे दर्द, यूरिन में ब्लड आना या रुक-रुक कर पेशाब आना जैसी हेल्थ प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। 5. पेल्विक फ्लोर डैमेज-बार-बार होल्ड करने से पेल्विक मसल्स की नेचुरल रिदम बिगड़ सकती है। आगे चलकर ब्लैडर कंट्रोल की समस्या हो सकती है। 6. दर्द और असहजता-पेट के निचले हिस्से में भारीपन या दर्द हो सकता है। कभी-कभी तेज दर्द के साथ अचानक यूरिन निकलने जैसी समस्या हो सकती है। सवाल- क्या देर तक यूरिन रोककर रखने से किडनी डैमेज हो सकती है?जवाब- हां, इससे किडनी से जुड़ी कई बीमारियां हो सकती हैं। जैसेकि- हाइड्रोनेफ्रोसिस - ये एक ऐसी स्थिति है, जिसमें किडनी में सूजन हो जाती है। दरअसल यूरिन ठीक से बाहर नहीं निकल पाता और किडनी में ही जमा होने लगता है। पाइलोनअफ्राइटिस - किडनी का एक गंभीर बैक्टीरियल इंफेक्शन है, जो आमतौर पर यूटीआई से शुरू होता है और फिर ऊपर बढ़कर किडनी तक पहुंच जाता है। सवाल- क्या प्रेग्नेंसी के दौरान यूरिन रोकना ज्यादा खतरनाक हो सकता है? जवाब- हां, इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। अगर ये इंफेक्शन किडनी तक पहुंच जाए तो प्री-मेच्यौर डिलीवरी का कारण भी बन सकता है। सवाल- कितनी देर तक यूरिन को रोककर रखना सेफ है? जवाब- यह व्यक्ति की उम्र, कितनी मात्रा में पानी या फ्लूइड लिया है और उसकी सेहत की स्थिति पर निर्भर करता है। 'नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन' के अनुसार, आमतौर पर हर 3-4 घंटे में यूरिन पास करना बेहतर माना जाता है। हालांकि जैसे ही यूरिन पास करने की जरूरत लगे तुरंत जाना बेहतर है। सवाल- क्या बार-बार यूरिन रोकने से ब्लैडर की क्षमता स्थायी रूप से कम होती है? जवाब- कभी-कभार यूरिन रोकने से ब्लैडर की क्षमता स्थायी रूप से कम नहीं होती। लेकिन लंबे समय तक लगातार ऐसा करने से ब्लैडर फंक्शन प्रभावित होता है। इससे संक्रमण या अन्य यूरिनरी प्रॉब्लम्स का जोखिम बढ़ जाता है। सवाल- सभी को आमतौर पर एक टॉयलेट हाइजीन फॉलो करना चाहिए? ये क्या है और इसमें कौन-कौन सी चीजें शामिल हैं? जवाब- अक्सर लोग जल्दबाजी या लापरवाही में हाइजीन से जुड़ी छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज कर देते हैं। इससे इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है। हालांकि कुछ बेसिक टॉयलेट हाइजीन कई बीमारियों से बचाती हैं। इन आसान आदतों को अपनाकर यूरिन इंफेक्शन और अन्य समस्याओं के जोखिम को कम किया जा सकता है। सवाल- क्या लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से भी ब्लैडर हेल्थ प्रभावित होती है? जवाब- हां, इससे ब्लैडर पर नेगेटिव असर पड़ता है। पॉइंटर्स से समझिए-लंबे समय तक एक ही जगह बैठने से पेल्विक एरिया में ब्लड फ्लो कम हो जाता है। इससे पेल्विक फ्लोर मसल्स कमजोर पड़ती हैं जो ब्लैडर और यूरेथ्रा (यूरिन बाहर निकलने का रास्ता) को सपोर्ट करती हैं। देर तक एक ही जगह बैठे रहने से मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है। इससे किडनी स्टोन बनने का रिस्क भी बढ़ता है। सवाल- यूरिन रोकने के अलावा हमारी रोजमर्रा की और कौन सी आदतें ब्लैडर हेल्थ को प्रभावित करती हैं? जवाब- खराब लाइफस्टाइल, डिहाइड्रेशन, क्रॉनिक डिजीज और खराब हाइजीन ब्लैडर पर अतिरिक्त दबाव डाल सकती हैं।

कंगना बोलीं- चिराग संग रोमांस होता तो हमारे बच्चे होते-वे सिर्फ मेरे दोस्त हैं

मुंबई। एक्ट्रेस और सांसद कंगना रनोट ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के साथ अपने रिश्तों को पर खुल कर बात की है। उन्होंने साफ किया है कि उनके और चिराग के बीच कोई रोमांटिक एंगल नहीं है। एएनआई को दिए इंटरव्यू में कंगना से चिराग पासवान के साथ उनके कथित अफेयर को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर मुस्कुराते हुए कंगना ने कहा, नहीं, चिराग सिर्फ मेरे एक बहुत अच्छे दोस्त हैं। जब भी मैं उनके बारे में सोचती हूं, मुझे उनमें सिर्फ एक दोस्त ही नजर आता है। कहा- रोमांस होता तो बच्चे हो गए होते बातचीत के दौरान कंगना ने बेहद बेबाक और मजाकिया अंदाज अपनाया। उन्होंने कहा, हमने करीब 10 साल पहले एक फिल्म साथ की थी। अगर हमारे बीच वाकई कुछ होना होता, तो अब तक हमारे बच्चे हो चुके होते। कंगना ने आगे कहा कि अगर रोमांस होना होता, तो अब तक हो चुका होता। फिल्म 'मिले ना मिले हम' से शुरू हुई दोस्ती कंगना और चिराग पासवान के बीच की बॉन्डिंग काफी पुरानी है। साल 2011 में आई फिल्म 'मिले ना मिले हम' से चिराग पासवान ने बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में कंगना रनौत उनकी लीड एक्ट्रेस थीं। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर तो खास कमाल नहीं कर पाई, लेकिन यहीं से दोनों की दोस्ती की शुरुआत हुई। आज दोनों राजनीति के मैदान में सक्रिय हैं और अक्सर संसद में एक-दूसरे के साथ हंसते-मुस्कुराते नजर आते हैं।'इमरजेंसी' के बाद 'क्वीन 2' की तैयारी कंगना की हालिया रिलीज फिल्म 'इमरजेंसी' थी, जिसमें उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाया था। इस फिल्म का निर्देशन भी उन्होंने खुद ही किया था। आने वाले समय में कंगना अपनी फ्रेंचाइजी की अगली कड़ियों 'क्वीन 2' और 'तनु वेड्स मनु 3' में नजर आएंगी। वहीं, चिराग पासवान अब फिल्म इंडस्ट्री छोड़कर पूरी तरह से राजनीति और अपने मंत्रालय की जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।